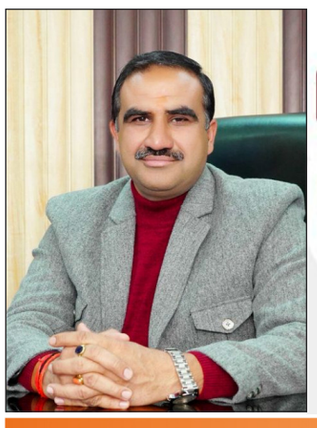

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बीएसडी इंद्रप्रस्थ एकेडमी संवारेगी छात्रों का उज्ज्वल भविष्य पेज: 4

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 135 | बुधवार 19 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कुलगाम में ट्रक ने सीआरपीएफ के बंकर वाहन को मारी टक्कर, 5 जवान घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पांच जवान घायल हो गए। हादसा काजीगुंड के लेवडोरा इलाके में हुआ, जहां विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने सीआरपीएफ के बंकर वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बंकर वाहन पलट गया। अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना उस समय हुई जब ट्रक संख्या जेके02डीयू-4386 ने सीआरपीएफ के बंकर वाहन जेके02सीजी-5795 को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सीआरपीएफ का बंकर वाहन सड़क पर पलट गया। इस हादसे में बंकर वाहन में सवार पांच जवान घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए काजीगुंड स्थित सीआरपीएफ की 163वीं बटालियन के एमआई रूम में ले जाया गया। घायल जवानों में इंस्पेक्टर राज कुमार तिवारी, सब इंस्पेक्टर राजिंदर सिंह, सहायक सब इंस्पेक्टर लोवेंडय, सहायक सब इंस्पेक्टर उमेश कुमार और हेड कांस्टेबल ड्राइवर वीरेंद्र शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी जवानों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों और टक्कर की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। हादसे को लेकर आगे की जानकारी का इंतजार है।

मुंबई पुलिस ने 27 वर्षीय बांग्लादेशी महिला को किया गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने अवैध रूप से भारत में दुबारा प्रवेश करने और बिना वैध दस्तावेजों के शहर में रहने के आरोप में 27 वर्षीय बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है। गामदेवी पुलिस थाने के अधिकारियों के अनुसार, आरोपी महिला की पहचान नादिरा सुल्ताना के रूप में हुई है, जो बिना किसी वैध यात्रा अनुमति के गैर-कानूनी तरीके से देश में रह रही थी। पुलिस को गिरगांव चौपाटी के पास एक फुटपाथ पर संदिग्ध हालत में घूमने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान जब महिला अपनी पहचान और पते से जुड़ा कोई संतोषजनक ब्यौरा नहीं दे पाई, तब बांग्लादेशी महिला को थाने लाया गया। विस्तृत जांच में उसके पास भारत में रहने का कोई भी वैध कागजात नहीं मिला। पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि सुल्ताना को महज एक महीने पहले ही भारत से बांग्लादेश निर्वासित किया था। हालांकि, निर्वासन के कुछ समय बाद ही वह फिर से अवैध रास्तों का इस्तेमाल कर भारत में घुसपैठ करने में कामयाब रही और मुंबई पहुंच गई। फिलहाल पुलिस इस बात की गहराई से छानबीन कर रही है कि उसने सीमा पार कर फिर भारत में कैसे प्रवेश किया और अवैध गतिविधि में उसकी मदद करने वाले अन्य लोग कौन थे। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गहन पूछताछ की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जयराम रमेश का बड़ा आरोप : प्रधानमंत्री मोदी ने बिना कहे दफनाया जाति जनगणना का विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना के मुद्दे पर फिर से यू-टर्न ले लिया है और बिना कुछ कहे विचार को पूरी तरह से दफन किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को यू-टर्न का उस्ताद बताया है। कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे के जरिए केंद्र सरकार ने जाति जनगणना की मांग को खारिज किया था। उस हलफनामे में कहा गया था कि यदि डिजिटल जनगणना फॉर्म में जातियों के चयन के लिए कोई ड्रॉपडाउन मेन्यू जैसी व्यवस्था होती, तब अधिक भरोसेमंद आंकड़े मिल सकते थे। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया है कि जब केंद्र सरकार ने खुद इस तरह के विकल्प की जरूरत महसूस की थी, तब आगामी जनगणना के डिजिटल प्रारूप में ऐसा ड्रॉपडाउन मेन्यू क्यों शामिल नहीं किया है। कांग्रेस नेता के मुताबिक, बिहार और तेलंगाना में हुए जाति सर्वेक्षणों से पहले इसतरह का मेन्यू पहले ही तैयार हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि पार्टी अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर ऐसी ही प्रणाली अपनाने का सुझाव दिया था। कांग्रेस सांसद रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पुराने रुख से यू-टर्न लेकर जाति जनगणना कराने की बात कही थी, लेकिन अब उन्होंने विचार को ही ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

मणिपुर में जनगणना से पहले एनआरसी लागू करने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य में किसी भी आगामी जनगणना गतिविधि से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की मांग उठा दी। इंफाल लौटने के बाद उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग जनगणना के विरोध में नहीं हैं, बल्कि उनकी स्पष्ट मांग है कि पहले एनआरसी की प्रक्रिया पूरी करे और उसके बाद ही जनगणना कराए। इसके साथ ही, पूर्व सीएम बीरेन सिंह ने राज्य में जारी आर्थिक नाकेबंदी और उसके कारण जरूरी सामान की आपूर्ति में आ रही रुकावट और बढ़ती कीमतों के गंभीर मुद्दों से भी गृह मंत्री शाह को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री शाह ने इन तमाम समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान निकालने का पूरा भरोसा दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि राज्य में जातीय हिंसा शुरू होने से ठीक पहले, फरवरी 2023 में उनकी सरकार ने केंद्र के समक्ष एनआरसी तैयार करने का औपचारिक प्रस्ताव रखा था। उल्लेखनीय है कि मई 2023 से राज्य में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच चल रही जातीय हिंसा के कारण हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

आईसीएआर की 97वीं बैठक में कृषि अनुसंधान को किसान और बाजार केंद्रित बनाने पर जोर

नई दिल्ली: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की 97वीं वार्षिक आम बैठक में कृषि अनुसंधान को किसान, बाजार और उपभोक्ता केंद्रित बनाने तथा प्रयोगशाला से खेत तक तकनीक पहुंचाने में तेजी लाने पर जोर दिया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत का सपना कृषि क्षेत्र को विकसित किए बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने मांग-आधारित अनुसंधान, एकीकृत कृषि प्रणाली, गुणवत्तापूर्ण बीज, मृदा स्वास्थ्य, संवहनीय कृषि और आईसीएआर-उद्योग साझेदारी को कृषि क्षेत्र में परिवर्तन के प्रमुख आधार बताया। मांग-आधारित अनुसंधान से किसानों को मिले प्रत्यक्ष लाभ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अनुसंधान व्यवस्था किसानों की जरूरतों, बाजार की मांग और उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान की सफलता केवल नए विचार या तकनीक विकसित करने में नहीं, बल्कि सही समय पर सही समस्या का समाधान करने और उसका लाभ तेजी से किसानों तक पहुंचाने में है। एकीकृत खेती से छोटे किसानों की आय में विविधता केंद्रीय मंत्री ने छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत कृषि प्रणालियों पर जोर दिया। इसमें फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, बागवानी और मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियों को जोड़ा जाता है। एक घटक से निकलने वाला अपशिष्ट दूसरे घटक के लिए संसाधन बनता है, जिससे लागत कम करने और वर्षभर आय के अवसर बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण बीज एवं रोपण सामग्री की समय पर

उपलब्धता, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, मृदा स्वास्थ्य और संवहनीय कृषि पद्धतियों को भी प्राथमिकता देने की बात कही। वैश्विक बाजार में भारतीय कृषि की पहचान मजबूत करने पर जोर चौहान ने कहा कि भारत को खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने से आगे बढ़कर खेत से वैश्विक बाजार तक अपनी मजबूत पहचान बनानी होगी। इसके लिए कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, पोषण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शेल्फ लाइफ और वैश्विक मानकों के अनुपालन पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान से विकसित तकनीकों को किसानों तक तेजी से पहुंचाने के लिए आईसीएआर और उद्योग के बीच साझेदारी मजबूत करनी होगी। प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचे नवाचार केंद्रीय मंत्री ने परिणामोन्मुखी अनुसंधान प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने वैज्ञानिकों, नीति निमार्ताओं, किसानों, उद्योग और अन्य हितधारकों के बीच संवाद बढ़ाने तथा अनुसंधान के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नवोन्मेषी विचार प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उन्हें व्यावहारिक समाधान में बदलकर जमीन पर उनका स्पष्ट प्रभाव दिखाई देना चाहिए। चौहान ने कहा कि वैज्ञानिकों और किसानों का परिश्रम भारत की छवि के साथ किसानों की किस्मत भी बदल सकता है। कृषि में आत्मनिर्भरता अगली प्राथमिकता कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि 2014 के बाद कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अब अगली प्राथमिकता कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। उन्होंने दलहन, तिलहन, बीज, पशुधन और मूल्यवर्धित प्रसंस्करण में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने जलवायु-अनुकूल कृषि, मृदा स्वास्थ्य और संवहनीय संसाधन प्रबंधन के साथ किसानों की आय बढ़ाने के लिए मजबूत किसान उत्पादक संगठनों और उनके बाजार संपर्क को सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के एकीकरण पर जोर केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने खाद्यान्न, बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, मांस और अंडे सहित कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में भारत की प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिकों, किसानों तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के सामूहिक प्रयासों से इन क्षेत्रों में बदलाव आया है। बघेल ने कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और मुर्गी पालन के अधिक एकीकरण पर जोर देते हुए इसे किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करने का माध्यम बताया।

सीएम विजय की कर्ज माफी की घोषणा से तमिलनाडु के किसानों ने की राहत महसूस

-75 हजार रुपए तक का फसल कर्ज माफ करने का किया है ऐलान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए फसल ऋण माफी योजना का दायरा बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार के 100 दिन पूरे होने के मौके पर मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ ने सोमवार को विधानसभा में इसकी घोषणा की है। इसके तहत सहकारी बैंकों से 75 हजार रुपए तक का फसल ऋण लेने वाले पात्र किसानों का पूरा कर्ज माफ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि 75 हजार रुपए तक के फसल ऋण पर किसानों को 100 प्रतिशत ऋण माफी का लाभ मिलेगा। यानी इस सीमा तक बकाया फसल कर्ज रखने वाले किसानों को पूरी राशि चुकाने से राहत दी जाएगी। सरकार ने 75 हजार रुपए से अधिक और एक लाख रुपए तक के फसल ऋण वाले किसानों के लिए भी राहत का प्रावधान किया है। ऐसे किसानों को अधिकतम 75 हजार रुपए तक की कर्ज माफी मिलेगी। इससे छोटे और सीमांत किसानों पर बकाया ऋण का बोझ कम होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में सरकार के 100 दिनों के कार्यकाल के दौरान किसानों के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए इस योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। सरकार के इस फैसले से सहकारी बैंकों से फसल ऋण लेने वाले बड़ी संख्या में किसानों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है।

अभिजीत दीपके को एनडीए में आने का मिला ऑफर

मोदी सरकार में मंत्री ने कहा- हम स्वागत करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास आठवले ने अपनी पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि, दीपके की ओर से इस प्रस्ताव पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दीपके और सीजेपी फिलहाल सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखने की बात कह रहे हैं।

आठवले ने सोमवार को कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपने को पूरा करने तथा समाज और पार्टी को मजबूत करने के लिए दीपके को आरपीआई(ए) में शामिल होना चाहिए। दीपके ने हाल ही में राजनीति में तत्काल प्रवेश से इनकार किया था। उन्होंने हालांकि कहा था कि यदि बड़ी संख्या में लोग चाहेंगे तो वह भविष्य में इस पर विचार कर सकते हैं। जनता की मांग होने पर चुनाव लड़ने की संभावना से भी उन्होंने

इनकार नहीं किया है। सीजेपी ने जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की अगुवाई की थी। अगस्त के पहले सप्ताह में संगठन ने राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन किया, लेकिन स्पष्ट किया कि फिलहाल इसे राजनीतिक दल में नहीं बदला जाएगा। संगठन का कहना है कि वह चुनावी राजनीति में उतरने के बजाय जमीनी स्तर पर काम और जनजागरूकता बढ़ाने पर ध्यान देगा। दीपके ने भी कहा है कि भारत में एक और राजनीतिक पार्टी बनाना फिलहाल समाधान नहीं है। हालांकि, उन्होंने भविष्य में जनता की मांग के आधार पर अपनी भूमिका बदलने की संभावना खुली रखी है।दीपके ने महाराष्ट्र के हिंगोली जिले स्थित अपने पैतृक गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि इसका सबसे ज्यादा असर गरीब विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। उन्होंने निजी स्कूलों की फीस सीमित करने की भी मांग की। दीपके के मुताबिक, अभियान के तहत स्कूलों में पानी, खिड़कियां, बेंच और अन्य जरूरी सुविधाओं की स्थिति का आंकड़ा जुटाया जाएगा। इसके लिए एक सूची तैयार की गई है, जिसके जरिए स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान के अगले चरण में महाराष्ट्र के अन्य तालुकों के सरकारी स्कूलों का दौरा किया जाएगा। सीजेपी ने राजस्थान के स्कूलों में भी अभियान चलाने की योजना बताई है। संगठन सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति को लेकर भी इसी तरह की मुहिम शुरू करने की तैयारी में है।

नीतीश कुमार पटना लौटते ही सक्रिय, समर्थकों ने लगाए सुपर सीएम जिंदाबाद के नारे

पटना (एजेंसी)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार इन दिनों सक्रिय नजर आ रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में भाग लेने के बाद पटना लौटे नीतीश हर दिन किसी न किसी कार्यक्रम में पहुंच रहे हैं और लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। मंगलवार सुबह वे जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के घर पहुंचे। उनके पहुंचते ही समर्थकों और कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई। समर्थकों ने नीतीश कुमार और संजय झा के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सुपर सीएम जिंदाबाद के नारे भी लगाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार ने मुस्कुराते हुए हाथ के इशारे से समर्थकों को चुप रहने के लिए कहा, लेकिन कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ और वे लगातार नारे लगाते रहे। संजय झा के घर पहुंचने के बाद नीतीश ने वहां मौजूद लोगों से मुलाकात की। उन्होंने संजय झा से कहा कि अब आप आ गए हैं। सभी लोगों से मिलिए, कागज लीजिए और मेरे पास आइए। इसी दौरान संजय झा ने नीतीश कुमार को बताया कि लोगों की मांग है कि अक्टूबर से जिलों में दौरा शुरू किया जाए। इस पर नीतीश ने कहा कि पहले सब कर लीजिए। उनके इस संवाद से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में पार्टी और संगठन से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे एक दिन पहले नीतीश कुमार मेदांता अस्पताल पहुंचे थे। वहां मौजूद लोगों ने उनसे कहा था कि बिहार आपको बहुत मिस कर रहा है। इसके बाद से नीतीश कुमार लगातार सार्वजनिक रूप से सक्रिय नजर आ रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने के बाद पटना लौटे नीतीश कुमार का लगातार लोगों के बीच जाना राजनीतिक रूप से भी चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच उनकी सक्रियता को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

-किरण वेदी ने सत्ता में बैठे नेताओं को दी हिदायत

सरकार बदलने से कुछ नहीं होगा, सत्ता में बैठे लोगों से नागरिक सवाल पूछें

कोलकाता (एजेंसी)। रिटायर आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कहा है कि देश में बदलाव सिर्फ सरकार बदलने से नहीं आएगा। इसके लिए नागरिकों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने होंगे और मजबूत समुदाय बनाने होंगे। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने नेताओं से नियमित रूप से टाउन हॉल बैठकें करने की भी अपील की। बेदी गोलपार्क स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर में आयोजित अमृता डागा मेमोरियल लेक्चर में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछने और उनकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

बेदी ने कहा कि नेताओं को हर एक-दो महीने में टाउन हॉल बैठकें आयोजित करनी चाहिए, ताकि वे सीधे जनता की समस्याएं सुन सकें। उन्होंने कहा

कि ऐसी बैठकों को विरोध प्रदर्शन के तौर पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक, खासकर नई पीढ़ी को अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अवसर मिलना जरूरी है। इससे व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनप्रतिनिधियों को समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने नागरिकों के लिए ईमेल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत भी बताई। बेदी ने कहा कि जब नेता वोट मांगने के दौरान जनता की सेवा का वादा करते हैं, तो नागरिकों को उनसे उनके काम और सार्वजनिक धन के इस्तेमाल पर सवाल पूछने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अपनी समस्याएं सामने नहीं रखेंगे तो समाधान की उम्मीद भी कम हो जाएगी।पूर्व पुलिस अधिकारी ने अपराध और ड्रग्स जैसी समस्याओं से निपटने में परिवारों और स्कूलों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को समुदाय का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए स्थानीय स्तर पर लोगों की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। बेदी ने तिहाड़ जेल में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कैदियों के पीछे अलग-अलग कहानियां देखीं और कई लोगों ने गलत फैसले लिए थे। उन्होंने कहा कि नया भारत अचानक नहीं बनेगा। यह नागरिकों और नेतृत्व की ओर से धैर्य, साहस, सतर्कता और सही फैसलों के लगातार प्रयास से तैयार होगा।

राम मंदिर दान चोरी : चंपत के साथ अनिल मिश्रा को भी क्लीन चिट

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में क्लीन चिट मिल गई है। शासन को सौंपी गई रिपोर्ट में दोनों के नाम शामिल नहीं हैं। अब रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेज दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, अंतिम रिपोर्ट में केवल उन आठ आरोपियों के नाम हैं, जिन्हें मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा पर सबसे ज्यादा आरोप लगे थे। दबाव बढ़ने के बाद दोनों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित दूसरी एसआईटी मामले की जांच अभी जारी रखे हुए है।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर 13 जून को तीन

सदस्यीय एसआईटी गठित की गई थी। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता वाली टीम में आईजी रेंज किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन कुमार शामिल थे। एसआईटी की प्रारंभिक जांच में चोरी की पुष्टि हुई थी। करीब 80 लाख रुपये की बरामदगी पुलिस को सूचना दिए बिना किए जाने की बात भी सामने आई थी। 23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंपी गई। इसके बाद 25 जून को आठ लोगों के खिलाफ श्रीराम जन्मभूमि थाने में मामला दर्ज किया गया। अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पाण्डेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अज्ञात आरोपियों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। प्रारंभिक रिपोर्ट में 27 अप्रैल से 5 जून के बीच सीसीटीवी फुटेज में करीब 70 बार कर्मचारियों को नकदी छिपाकर ले जाते हुए दर्ज किए जाने की बात कही गई थी। जांच में ट्रस्ट और बैंक की संयुक्त मानक कार्यप्रणाली का पालन नहीं होने तथा प्रवेश-निकास पर तलाशी की व्यवस्था न होने का भी उल्लेख था। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी एसआईटी को जांच तेजी से पूरी कर सही निष्कर्ष तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। अदालत ने जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करने को कहा है। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद भक्तों के दान के प्रबंधन में सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में आरक्षण विवाद गहराया, सीएम उमर ने चेताया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उपराज्यपाल (एल-जी) द्वारा आरक्षण प्रस्ताव को मंजूरी देने में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी जताई है और जेन-ज़ी प्रोटेस्ट जैसे विरोध प्रदर्शन की धमकी दी है। उनकी कैबिनेट ने 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव पारित कर दिया है, लेकिन उपराज्यपाल की मुहर का इंतज़ार है।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर में आरक्षण नीति में कई बड़े बदलाव हुए हैं। 5 अगस्त 2019 को विशेष दर्जा खत्म होने से पहले, सरकारी नौकरियों में विभिन्न वर्गों के लिए 43 प्रतिशत सीटें आरक्षित थीं, जिनमें अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास रहने वाले लोग, पिछड़े इलाकों के निवासी, दिव्यांगजन और पूर्व सैनिक शामिल थे।

लेकिन 2024 में, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर आरक्षण अधिनियम 2004 में संशोधन कर सरकारी नौकरियों में आरक्षण को 43प्रतिशत से बढ़ाकर 70प्रतिशत कर दिया। यह बढ़ोतरी पहाड़ी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने के कारण हुई थी, जिसका गुर्जर और बकरवाल समुदाय ने हमेशा विरोध किया। गुर्जरों को शांत करने के लिए प्रशासन ने एसटी कोटा 10 से बढ़ाकर 20प्रतिशत करने की घोषणा की। इस फैसले से वे समूह नाराज़ हो गए जो किसी भी आरक्षण के दायरे में नहीं आते थे, क्योंकि उनके लिए केवल 30प्रतिशत नौकरियां ही बची थीं। इस पृष्ठभूमि में, उमर अब्दुल्ला की सरकार ने आरक्षण को 50प्रतिशत तक सीमित करने की सिफारिश की। एक कैबिनेट सब-कमेटी ने अक्टूबर 2025 में अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दे दी और अगले ही महीने उपराज्यपाल आवास (लोक भवन) भेज दिया। हालांकि, उपराज्यपाल ने इस रिपोर्ट पर कुछ सवाल उठाए थे, जिनका जवाब सरकार ने दे दिया है, लेकिन उसके बाद से इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है। आरक्षण प्रस्ताव को मंजूरी न मिलने पर उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में कहा, उसके बाद क्या हुआ, कोई हमें बताए। क्या इसे मंजूरी मिल गई है? उम्मीद है कि 'जेन-ज़ी' वाला ट्रेंड यहां भी नहीं फैलेगा। इसके लिए हम ज़िम्मेदार नहीं होंगे। हमने अपना काम कर दिया है।ज यह अच्छी बात नहीं है कि वे हमारी कैबिनेट के प्रस्तावों को मंजूरी देने में देरी कर रहे हैं या उन्हें दबाए हुए हैं। उन्होंने प्रशासन पर कैबिनेट के प्रस्तावों को दबाने का आरोप लगाया। इस मुद्दे ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति में भी उबाल ला दिया है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जैसे दलों ने आरक्षण को तर्कसंगत बनाने का वादा किया है। वहीं, बीजेपी ने अग्निवीरों और आरक्षित समूहों के कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में आरक्षण का वादा किया है। उमर अब्दुल्ला को अपनी ही पार्टी के भीतर और जनता से भी

विरोध का सामना करना पड़ा है, खासकर तब जब विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों से पता चला कि कश्मीर के मुकाबले जम्मू में रिजर्वेशन कैटेगरी के ज़्यादा सर्टिफिकेट जारी किए गए थे। फिलहाल, सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर यह गतिरोध जारी है।

संपादकीय

नबीन के नगीने

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नये बदलाव के जरिये एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। कार्यकारिणी में उ.प्र. के पदाधिकारियों का दबदबा, अपेक्षाकृत युवाओं को तरजीह तथा आईटी सेल के शीर्ष पद में बदलाव बताता है, ये परिवर्तन समय की जरूरत है। कहीं न कहीं जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टी ने बदलाव की आकांक्षी नई पीढ़ी से जुड़ने का मन बनाया है। छात्र आंदोलन में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका को महसूस करते हुए एक दशक के बाद भाजपा के आईटी हेड अमित मालवीय की विदाई हुई है और दीपक म्हस्के की एंट्री हुई है। कैमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे म्हस्के चुनावी आंकड़ों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित डेटा विश्लेषण अभियान से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार-प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दशार्ता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है। पार्टी ने यह भी महसूस किया कि हालिया छात्र आंदोलन में छोटे वीडियो, व्यंग्य, राजनीतिक मीम व वायरल सामग्री की लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उ.प्र. का दबदबा नजर आता है। जिन आठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उनमें राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी सुर्खियों में है। साथ ही राजनीतिक समीकरण साधने के लिये ओबीसी से लेकर अल्पसंख्यक चेहरे कार्यकारिणी में उ.प्र. से शामिल किए गए है। कह सकते हैं राजनीति के साथ ही सामाजिक समीकरण भी साधने की कोशिश हुई है। बहरहाल, नितिन नबीन की नई कार्यकारिणी में महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी ने खासी सुर्खियां बटोरी हैं क्योंकि अमेठी से चुनाव हारने के बाद उन्हें हाशिये पर माना जा रहा था। एक समय राहुल गांधी को हराकर अमेठी से सांसद और मंत्री बनने के बाद वे लगातार सुर्खियों में रही थीं। वहीं कुर्मी समाज से आने वाली रेखा वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं दलित समुदाय से आने वाले बुलंदशहर के सांसद डॉ.भोला सिंह राष्ट्रीय सचिव, प्रभावी यादव समाज से आने वाली आजमगढ़ की संगीता यादव के जरिये आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश हुई है। उत्तर प्रदेश से ही अमरपाल मौर्य को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नशे पर चोटः स्वास्थ्य के लिए सरकार का बड़ा फैसला

कांतिलाल मांडोत

नशा केवल व्यक्ति के शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि धीरे-धीरे उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन-मूल्यों को भी कमजोर कर देता है। तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और शराब जैसे व्यसन शुरूआत में भले ही छोटे लगें, लेकिन समय के साथ यही आदतें मनुष्य के जीवन पर भारी पड़ने लगती हैं। नशे की गिरफ्त में आया व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा ऐसे पदार्थों पर खर्च करता है, जिनसे उसे स्वास्थ्य के अतिरिक्त कोई स्थायी लाभ नहीं मिलता। इसके विपरीत परिवार की जरूरतें अधूरी रह जाती हैं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और घर में तनाव का वातावरण बनने लगता है। यही कारण है कि नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता के साथ सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में तंबाकू का सेवन लंबे समय से गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इसमें सिगरेट और बीड़ी के साथ-साथ गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और अन्य धुआं रहित तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। इन पदार्थों में मौजूद निकोटिन व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भरता की ओर ले जाता है। शुरूआत अक्सर शौक या साथियों के दबाव में होती है, लेकिन बाद में यही आदत छोड़ना कठिन हो जाती है। तंबाकू के सेवन से मुंह, गले और फेफड़ों सहित शरीर के विभिन्न अंगों पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। भारत में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मौत तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है। धुआं रहित तंबाकू के कारण मुंह के कैंसर का खतरा भी गंभीर चिंता का विषय है।

नशे की समस्या केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति से भी है। दैनिक मजदूरी करने वाला व्यक्ति यदि अपनी दिनभर की कमाई का एक हिस्सा शराब या तंबाकू पर खर्च कर देता है तो उसका परिवार भोजन, शिक्षा और इलाज जैसी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हो सकता है। कई परिवारों में नशे के कारण घरेलू विवाद बढ़ते हैं। व्यक्ति की कार्यक्षमता घटती है और दुर्घटनाओं तथा सामाजिक अपराधों का खतरा भी बढ़ सकता है। इस दृष्टि से नशे की रोकथाम को केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय मानना पर्याप्त नहीं है। यह समाज और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

शराब का व्यसन भी इसी समस्या का एक भयावह रूप है। शराब का सेवन करने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपने विवेक और आत्मनियंत्रण को कमजोर कर सकता है। अत्यधिक सेवन से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और व्यक्ति की पारिवारिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियां प्रभावित होने लगती हैं। कई बार शराब की आदत व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को इस हद तक बिगाड़ देती है कि वर्षों की मेहनत से अर्जित धन नष्ट हो जाता है। इसीलिए शराब को लेकर समाज में केवल उपदेश नहीं, बल्कि जागरूकता, आत्मसंयम और परिवार के सहयोग की आवश्यकता है।

नशे की समस्या में संगति की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कई युवा केवल मित्रों के दबाव या उत्सुकता के कारण पहली बार किसी नशीले पदार्थ का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि कभी-कभार सेवन करने से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन यही शुरूआत आगे चलकर आदत में बदल सकती है। इसलिए परिवारों को बच्चों और युवाओं से संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्हें नशे के नुकसान के बारे में डराने के बजाय तथ्य और समझ के साथ जागरूक करना चाहिए। युवाओं को खेल, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जोड़ना भी नशे से दूर रखने का प्रभावी माध्यम हो सकता है।

नशे के खिलाफ संघर्ष में समाज की भूमिका भी सरकार जितनी ही महत्वपूर्ण है। केवल कानून बना देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। जिस समाज में नशे को प्रतिष्ठा, आधुनिकता या मनोरंजन का प्रतीक समझा जाता है, वहां कानून के साथ सामाजिक सोच में बदलाव आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर निगरानी, अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई और युवाओं को नशे से बचाने के लिए लगातार अभियान चलाना जरूरी है। परिवार, विद्यालय, सामाजिक संगठन और धार्मिक संस्थाएं मिलकर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसी व्यापक संदर्भ में कर्नाटक सरकार का हालिया फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कर्नाटक सरकार ने लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गुटखा, पान मसाला तथा तंबाकू या निकोटिन युक्त उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक वर्ष के लिए रोक लगाने का निर्णय किया है। राज्य के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। यह प्रतिबंध अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक प्रभावी रहेगा। हालांकि व्यक्तिगत सेवन को इस प्रतिबंध के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। सरकार ने यह आदेश खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 तथा खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जारी किया है।

कर्नाटक सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य राज्य में तंबाकू की लत पर अंकुश लगाना और स्वस्थ एवं नशामुक्त कर्नाटक की दिशा में आगे बढ़ना है। सरकार ने प्रतिबंध लागू करने के साथ निरीक्षण अभियान भी शुरू किए हैं। संबंधित विभागों की टीमें प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटिन युक्त उत्पादों के निर्माण, बिक्री और वितरण पर नजर रखेंगी। उल्लंघन की स्थिति में उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें ऐसे प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री या वितरण की जानकारी मिलती है तो संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि तंबाकू उत्पादों से जुड़े व्यापार से सरकारों को राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कठोर कदम उठाना आसान नहीं होता। कर्नाटक का निर्णय इस बात का संकेत है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को आर्थिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं। हालांकि किसी भी प्रतिबंध की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका जमीन पर कितना प्रभावी पालन होता है। प्रतिबंध के बाद सबसे बड़ी चुनौती इसकी प्रभावी निगरानी होगी। अतीत में यह देखा गया है कि जब किसी उत्पाद पर रोक लगती है तो कुछ लोग उसके विकल्प तलाशने लगते हैं। तंबाकू और दूसरे घटकों को अलग-अलग खरीदकर प्रतिबंधित मिश्रण तैयार करने जैसी कोशिशें भी सामने आ सकती हैं।

अपनी लेखनी से लोकमंगल के कारक बने तुलसीदास

योगेश कुमार गोयल

तुलसीदास की राम भक्ति में है अजब सी शक्ति...

रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास जी पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोहमाया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। महान ग्रंथ 'श्री रामचरित मानस' के रचयिता और मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 19 अगस्त को मनाई जा रही है। विक्रमी संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के राजापुर नामक गांव में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाईयों का डटकर मुकाबला किया। तुलसीदास जी का विवाह दीनबंधु पाठक की अत्यंत विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था। तुलसीदास रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। एक दिन की बात है, रत्नावली अपने मायके गई हुई थी लेकिन तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था, मूसलाधार बारिश हो रही थी, ऐसे मौसम में भी तुलसीदास उफनती नदी को पार कर पत्नी से मिलने देर रात उसके मायके जा पहुंचे। रत्नावली अपने पति तुलसीदास के इस कृत्य पर बहुत लज्जित हुई और ताना मारते हुए तुलसीदास को कहा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। लज्जित अवस्था में पत्नी द्वारा मारे गए ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल डाली। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए। उसी दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास उनके गांव आए, जिन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद ही उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित इसी 'रामचरित मानस' को आज भी देशभर में एक महान ग्रंथ के रूप में बड़े ही आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास जी ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली। हालांकि जब उन्होंने रामचरित मानस की रचना की थी, उस जमाने में संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली थी लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ। गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में 'रामायण' की रचना कर श्रीराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों को साहित्य के अमर पटल पर अंकित किया था। इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी में ह्यरामचरितमानसह्ण की रचना की और रामकथा को राजमहलों तथा विद्वानों के सीमित संसार से निकालकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचा दिया। उस समय संस्कृत मुख्यतः विद्वानों और धर्मशास्त्र के गंभीर अध्येताओं की भाषा थी जबकि अवधी उत्तर भारत के विशाल जनसमुदाय के दैनिक जीवन से जुड़ी सहज और आत्मीय भाषा थी। तुलसीदास ने इसी लोकभाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाकर ऐसी काव्यकृति रची, जिसमें गहन आध्यात्मिक चिंतन के साथ लोकजीवन की सरलता, भावनात्मकता और मानवीय संवेदनाएं भी सहज रूप से समाहित हैं। यही कारण है कि 'रामचरितमानस' केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं रही बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और लोकआस्था का अभिन्न हिस्सा बन गई। तुलसीदास की भाषा ने उन्हें जन-जन का कवि और 'कविराज' बना दिया। उनकी रचनाओं में उनकी ऐसी आत्मीय निष्ठा दिखाई देती है कि वे अपनी काव्य-सृष्टि को ही अपने माता-पिता के समान मानते थे। यही विशिष्ट भाव उन्हें भारतीय साहित्य परंपरा में अद्वितीय और कालजयी बनाता है। रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर तुलसीदास ने इस रामकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया। तुलसीदास के अनुसार तुलसी के राम सब में रमते हैं और वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोकमंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने रामचरित मानस को जरिया बनाकर समस्त भारतीय समाज को भगवान श्रीराम के रूप में ऐसा दर्पण दिया है, जिसके सामने हम बड़ी आसानी से अपने गुण-अवगुणों का मूल्यांकन करते हुए अपनी मयार्दा, करुणा, दया, शौर्य, साहस और त्याग का आकलन कर श्रेष्ठ इंसान बनने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। रामभक्ति के पर्याय बने गोस्वामी तुलसीदास ने सत्य और परोपकार को सबसे बड़ा धर्म तथा त्याग को जीवन का मंत्र मानते हुए अपनी रचनाओं के माध्यम से असत्य, पाखंड, ढ़ोंग और अंधविश्वासों में डूबे समाज को जगाने का हरसंभव प्रयास किया।

नितिन नवीन की नई टीमः नई ऊर्जा और नया संतुलन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है।

राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है।

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात नितिन नवीन ने पूरी तरह से 'पुराना हटाओ, नया लाओ' की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है।

यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है।

नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं के संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। वास्तव में नितिन नवीन की नई टीम का सबसे बड़ा संदेश 'रीसेट' नहीं, 'रीकैलिब्रेशन' है-अर्थात संगठन को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण के अनुरूप उसकी दिशा और गति को पुनर्संतुलित करना। वरिष्ठ नेताओं का अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भूमिका, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक विविधता और पेशेवर दक्षता-इन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास दिखाई देता है। नई टीम में 65 पदाधिकारियों में बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की बात भी सामने आई है, जो संगठन में पीढ़ीगत बदलाव की गति को दशार्ती है।

अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा। कुल मिलाकर यह टीम भाजपा की उस राजनीति की तस्वीर प्रस्तुत करती है जिसमें अनुभव को विरासत, युवा ऊर्जा को भविष्य और सामाजिक विविधता को विस्तार का माध्यम बनाया गया है। यदि नितिन नवीन इस टीम की क्षमताओं को एक साझा संगठनात्मक लक्ष्य में बदल पाए, तो यह परिवर्तन केवल भाजपा के पदाधिकारियों की सूची में बदलाव नहीं रहेगा, बल्कि पार्टी की कार्यशैली, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति में दिखाई देने वाला परिवर्तन बन सकता है। आने वाले चुनाव इस प्रयोग की पहली परीक्षा होंगे और 2029 उसका बड़ा मूल्यांकन। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भाजपा ने अपने संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया है और अब उस दिशा को जनविश्वास में बदलने की जिम्मेदारी नितिन नवीन तथा उनकी नई टीम के कंधों पर है।

अमरोहा
बुधवार 19 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

दुकान पर फायरिंग करने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार

2 तमंचे और जिंदा कारतूस बरामद, आर्म्स एक्ट में भी केस दर्ज

अमरोहा (सब का सपना):- थाना अमरोहा देहात पुलिस ने एक-दूसरे पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2 अवैध तमंचे और 2 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी नौगाँवा सादात अवधभान सिंह भदौरिया व प्रभारी निरीक्षक रजनी द्विवेदी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। 16 अगस्त को वादी रामपाल सिंह पुत्र दयाराम सिंह निवासी सुन्दरपुर, चाउपुरा, जनपद मुरादाबाद ने तहरीर दी कि उनकी

दुकान पर दो पक्षों के बीच आपस में जान से मारने की नीयत से फायरिंग हुई। इस दौरान दुकान पर मौजूद मयंक और पुनीत पर भी फायरिंग की गई, जिन्होंने काउंटर के पीछे छिपकर जान बचाई। फायरिंग के बाद दोनों पक्ष गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।तहरीर के आधार पर थाना अमरोहा देहात पर मु0अ0सं0 266/2026 धारा 191(2), 191(3), 190, 109, 352, 351(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने 17 अगस्त को 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। दीपांशु देओल पुत्र आनन्दपाल सिंह* निवासी ग्राम इस्माईलपुर, थाना कांठ, जनपद मुरादाबाद, निवासी हाजरपुर जमनिया, थाना अमरोहा देहात, जनपद अमरोहा। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 2 अदद देशी तमंचे .315 बोर और 2 अदद जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

बीएसडी इंद्रप्रस्थ एकेडमी संवारेगी छात्रों का उज्ज्वल भविष्य:- प्रबंधक नितिन धारीवाल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के शैक्षिक परिदृश्य में एक नई क्रांति लाने का प्रयास करते हुए बीएसडी इंद्रप्रस्थ अकादमी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए आगे आई है। यह अकादमी न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बनेगी, बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की ठोस तैयारी का मंच भी प्रदान करेगी। अकादमी के प्रबंधक नितिन धारीवाल ने बताया कि शैक्षिक उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बीएसडी इंद्रप्रस्थ अकादमी अब और भी व्यापक तथा सशक्त तैयारी का वातावरण लेकर आई है। यहां अनुभवी शिक्षकों के

मार्गदर्शन में लक्ष्य आधारित शिक्षा दी जाएगी, जिससे विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकें। अकादमी में एनईईटी, जेईई, अग्निवीर, एनडीए, एसएससी, पुलिस भर्ती तथा अन्य सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था की गई है। आधुनिक शिक्षण पद्धति, नियमित टेस्ट सीरीज और व्यक्तिगत ध्यान देकर छात्रों को परीक्षा के अनुकूल तैयार किया जाएगा। साथ ही छात्राओं और छात्रों दोनों के लिए हॉस्टल सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे दूर-दराज के विद्यार्थी भी आसानी से अध्ययन कर सकें। नितिन धारीवाल का कहना है कि अकादमी का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सही दिशा का विकास करना है। अमरोहा और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में यह अकादमी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है।

बाढ़ से निपटने को प्रशासन अलर्ट, 11 चौकियां व 15 शरणालय तैयार, 25 अतिसंवेदनशील गांवों पर 24 घंटे नजर

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश में मानसून और पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के मद्देनजर राज्य आपदा प्रबंधन कार्ययोजना के तहत संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन ने सुरक्षा व राहत के पुख्ता इंतजाम पूरे कर लिए हैं। वर्तमान में प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 1.5 से 2 मीटर नीचे सामान्य स्थिति में बह रहा है, लेकिन अगस्त और सितंबर के संवेदनशील महीनों को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिले में संभावित बाढ़ से निपटने के लिए 11 बाढ़ चौकियां और 15 राहत शरणालय सक्रिय कर दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन तंत्र ने धनौरा और हसनपुर तहसील के 25 अतिसंवेदनशील और करीब 80 संवेदनशील गांवों की विशेष निगरानी शुरू कर दी है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए पीएसी की 15वीं बटालियन और 25 स्थानीय गोताखोरों की तैनाती के साथ नाव, खाद्यान्न और तिरपाल समेत सभी जरूरी टेंडर प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ला के अनुसार बाढ़ प्रबंधन

योजना के तहत धनौरा और हसनपुर तहसीलों को मुख्य रूप से फोकस पर रखा गया है। सर्वे के आधार पर कुल 25 गांवों को अतिसंवेदनशील (वल्नरेबल) श्रेणी में चिह्नित किया गया है, जिनमें धनौरा के 15 से 16 गांव और हसनपुर के 5 से 7 गांव शामिल हैं। इसके अलावा लगभग 75 से 80 गांवों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इन क्षेत्रों में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और तहसीलदारों द्वारा लगातार स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कदम उठाए जा सकें। बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करने के लिए नजदीकी बैराजों से सीधा संपर्क स्थापित किया गया है। बिजनौर, हरिद्वार और मेरठ बैराज से लगातार पानी के डिस्चार्ज और जलस्तर का इनपुट लिया जा रहा है, जिसे त्वरित गति से संबंधित तहसीलों को भेजा जाता है। इसके लिए विशेष डिजिटल मॉनिटरिंग ग्रुप सक्रिय हैं। साथ ही जिला मुख्यालय, तहसील स्तर और सिंचाई विभाग के स्तर पर 24 घंटे संचालित होने वाले त्रिस्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित कर दिए गए हैं, जहां कर्मियों की राउंड-द-क्लॉक ड्यूटी लगाई गई है। स्थानीय स्तर पर एनडीआरएफ या एसडीआरएफ यूनिट की अनुपलब्धता को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से पीएसी की 15वीं बटालियन की विशेष टीम को संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है। इसके साथ ही 25 स्थानीय कुशल गोताखोरों को आपातकालीन स्थिति के लिए अलर्ट मोड पर रखा गया है। राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी न हो, इसके लिए नावों के संचालन, खाद्यान्न पैकेट, मवेशियों के लिए भूसा, टेंट, प्रकाश व्यवस्था और पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने से संबंधित सभी आवश्यक टेंडर पूरे कर लिए गए हैं ताकि जरूरत पड़ते ही तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। प्रशासन बाढ़ की आशंका के बीच केवल जलभराव ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ी अन्य आपदाओं को लेकर भी सतर्क है। जलजमाव वाले क्षेत्रों में डूबने की घटनाओं और सर्पदंश जैसी आपात स्थितियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य और आपदा विभाग के समन्वय से एडवाइजरी जारी की जा रही है। मीडिया और स्थानीय तंत्र के माध्यम से हेल्पलाइन नंबर प्रसारित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण संकट के समय सीधे कंट्रोल रूम से संपर्क साध सकें।

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना:- भ्रष्टाचार का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को ग्राम भदौरा स्थित काली देवी मंदिर परिसर के पास में आयोजित की गई। बैठक में मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के क्रियान्वयन में आ रही अनियमितताओं और व्याप्त भ्रष्टाचार पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि जनपद में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित इस योजना का वास्तविक लाभ पात्र किसानों तक नहीं पहुँच पा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग में बिचौलिये और दलाल पूरी तरह हावी हैं। जब भी कोई किसान सीधे पारदर्शी प्रक्रिया

से आवेदन करता है, तो उसके आवेदन को खारिज कर दिया जाता है। वहीं, जब वही आवेदन दलालों के माध्यम से पहुँचाया जाता है, तो उसे तुरंत स्वीकृति दे दी जाती है।कृष्ण कुमार शर्मा ने आगे कहा कि इस तरह की कार्यशैली से न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि मेहनत करने वाले जरूरतमंद किसान योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। पूर्व में योजना के लिए चयनित किसानो से अवैध बसूली की जा रही है।उन्होंने शासन-प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने और इसमें विकास खंड से लेकर जनपद तक संलिप्त दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पात्र आवेदकों को बिना रिश्वत योजना का लाभ नहीं दिया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक के अंत में किसानों के हितों की रक्षा के लिए गोलबंद होने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुकेश सिंह, जयवीर सिंह, रमन सिंह, राम सिंह सैनी, यश चौधरी, मनवीर सिंह तथा चंद्रशेखर, संजीव सैनी, विनोद कश्यप सहित अनेक ग्रामीण व किसान उपस्थित रहे।

धनौरा में 'अखंड भारत संकल्प' दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन, विहिप व बजरंग दल ने राष्ट्र सेवा व एकता का किया आह्वान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में 'अखंड भारत संकल्प' दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) एवं बजरंग दल के कार्यकताओं कार्यक्रम का आयोजन कराया। इस कार्यक्रम को नगर स्थित एक डिग्री कॉलेज में आयोजित किया गया।जिसमें संगठन के कार्यकताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भारत की अखंडता,एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के संकल्प को दोहराया। बता दें कि इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत संगठन मंत्री अरुण कुमार ने अखंड भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत की प्राचीन और व्यापक सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए युवाओं से राष्ट्रहित, समाजहित और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सैनी ने हिंदू समाज की एकजुटता और सामाजिक समरसता पर विशेष बल दिया। वहीं, बजरंग दल के विभाग संगठन मंत्री गौरव प्रताप ने युवाओं को राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा संगठन के कार्यों को मजबूत करने का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने अखंड भारत के सपने को साकार करने, देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने और भारतीय परंपराओं की रक्षा करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में विभाग सह मंत्री विपिन शर्मा, विभाग संयोजक कुशल, जिला मंत्री शिवम त्यागी, जिला संयोजक अभिषेक, जिला बल उपासना प्रमुख अखिलेश भाटी,अनुज शर्मा, निशांत, सुनील सैनी बजरपुर वाले सहित VHP व बजरंग दल के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्र-आराधन और समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

पी.आर.डी. जवानों को मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात, ड्यूटी भत्ता 600 प्रतिदिन हुआ

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री , उत्तर प्रदेश शासन योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में प्रान्तीय रक्षक दल के जवानों का सम्मेलन गोरखपुर में आयोजित किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी के उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विकास भवन अमरोहा के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक अंबरीश कुमार, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ऋषि कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं जनपद के गणमान्य

अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद के लगभग 150 पी.आर.डी. जवानों ने मुख्यमंत्री के अभिभाषण एवं घोषणाओं को सुना। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इस अवसर पर पी.आर.डी. जवानों को बधाई दी गई। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं से जनपद के 235 पी.आर.डी. जवानों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा पी.आर.डी. जवानों का ड्यूटी भत्ता 500 प्रतिदिन से बढ़ाकर 600 प्रतिदिन किए जाने की घोषणा की गई। साथ ही मुख्यमंत्री पी.आर.डी. कैशलेश चिकित्सा योजना से पी.आर.डी. जवानों को आच्छादित करने की घोषणा की गई। इसके अलावा पी.आर.डी. मुख्यालय पर मल्टीस्टोरी बैरक के निर्माण का शिलान्यास किया गया।
कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार, प्रदीप कुमार, गौरव कुमार एवं अंकुर प्रकाश उपस्थित रहे।

पीआरडी जवानों को सीएम योगी की बड़ी सौगात: ड्यूटी भत्ता 500 से बढ़कर हुआ 600 प्रतिदिन, कैशलेस इलाज और मल्टीस्टोरी बैरक का तोहफा

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के जीवन में मंगलवार को एक नया सवेरा हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में आयोजित राज्यस्तरीय पीआरडी सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए जवानों के लिए तीन बड़ी ऐतिहासिक घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने जवानों का दैनिक ड्यूटी भत्ता ड्ड500 से बढ़ाकर सीधे ड्ड600 प्रतिदिन करने, उन्हें 'मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना' से आच्छादित करने और पीआरडी मुख्यालय पर अत्याधुनिक मल्टीस्टोरी बैरक के निर्माण का शिलान्यास किया। इस भव्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण अमरोहा के विकास भवन सभागार में हुआ, जहां करीब 150 जवानों ने शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीएम का संबोधन देखा और सुना। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से अकेले अमरोहा जनपद के 235 पीआरडी जवानों सहित उनके परिवारों को सीधा आर्थिक व सामाजिक लाभ पहुंचेगा। इस फैसले से जवानों की मासिक आय सीधे ड्ड15,000 से बढ़कर ड्ड18,000 हो जाएगी, जिससे ग्राउंड पर तैनात जवानों के चेहरों पर खुशी की चमक साफ देखी जा सकती है। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बाद जब ग्राउंड पर मुस्तैद जवानों से बात की गई तो उनका उत्साह देखते ही बनता था। अमरोहा शहर के ट्रैफिक में मुस्तैदी से तैनात पीआरडी जवान कपिल कुमार ने बताया कि ड्यूटी भत्ते में ड्ड100 की दैनिक बढ़ोतरी जवानों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी। पहले 30 दिन की पूरी ड्यूटी करने पर करीब ड्ड15 हजार रुपये मिलते थे, लेकिन अब यह आमदनी बढ़कर ड्ड18 हजार रुपये महीना हो जाएगी। वर्ष 2009-10 से सेवा दे रहे कपिल का कहना है कि पहले के दौर में पीआरडी जवानों को लगातार ड्यूटी नहीं मिलती थी, लेकिन मौजूदा सरकार में रोजगार और ड्यूटी दोनों में स्थिरता आई है। महीने के अंत में मिलने वाले इस बढ़े हुए मानदेय से बच्चों की पढ़ाई और घर के राशन का खर्च आसानी से चल सकेगा।
युवा कल्याण कार्यालय में तैनात पीआरडी जवान अमर सिंह ने स्वास्थ्य योजना के ऐलान को जवानों के लिए जीवनदान बताया। वर्ष 2007 से जुड़े और 2015-16 से नियमित ड्यूटी कर रहे अमर सिंह ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि फील्ड ड्यूटी के दौरान कई बार जवान गंभीर हादसों का शिकार हो जाते हैं या अचानक परिवार में कोई गंभीर बीमारी घेर लेती है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से कई बार समय पर समुचित इलाज नहीं मिल पाता था और उधारी का बोझ बढ़ जाता था। अब 'मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना' लागू होने से जवानों और उनके परिजनों को अस्पताल में बिना किसी आर्थिक रुकावट के इलाज मिलेगा। यह फैसला जवानों के पूरे परिवार को मानसिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगा। थाना धनौरा में तैनात पीआरडी जवान निर्देश जी ने सरकार के इस कदम का खुले दिल से स्वागत किया। वर्ष 1994-95 में प्रशिक्षण लेने के बाद 2018 से लगातार ड्यूटी कर रहे निर्देश जी का कहना है कि ड्ड5 लाख तक के सालाना पारिवारिक स्वास्थ्य सुरक्षा कवच और ड्ड100 दैनिक भत्ते की बढ़ोतरी से जीवन स्तर में निश्चित रूप से सुधार आएगा। हालांकि, उन्होंने जवानों की जमीनी भावना को साझा करते हुए यह भी कहा कि पीआरडी जवान दिन-रात होमगार्ड्स और पुलिस के कंधे से कंधा मिलाकर ड्यूटी करते हैं। ऐसे में जवानों के मन में होमगार्ड्स के समान दैनिक भत्ते और नियमित साप्ताहिक अवकाश की जो पुरानी मांग और अदालती प्रक्रिया है, उसको लेकर भी उम्मीदें बनी हुई हैं। फिर भी, सरकार द्वारा किए गए इस ताजा इजाफे को सभी जवान बेहद सकारात्मक और उत्साहवर्धक मान रहे हैं। गोरखपुर में आयोजित सम्मेलन के सीधे प्रसारण के दौरान विकास भवन अमरोहा का सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक अंबरीश कुमार तथा जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ऋषि कुमार ने मौजूद जवानों को बधाई दी और उनके समर्पण की सराहना की। इस दौरान क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार, प्रदीप कुमार, गौरव कुमार एवं अंकुर प्रकाश सहित जनपद के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि शासन के इस संवेदनशील फैसले से जवानों की कार्यक्षमता और मनोबल में अभूतपूर्व वृद्धि होगी।

धनौरा सीएचसी में बढ़ी मरीजों की संख्या,वायरल और एलर्जी के मामले बढ़े, सीएचसी प्रबंधन ने की एक हेल्प डेस्क तैयार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में इन दोनों बदलते मौसम के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है जिसके चलते मंडी धनौरा सीएचसी में भी दवाई लेने वाले मरीजों की लंबी कतार लगी देखी गई साथ ही बदलते मौसम के कारण चल रहे वायरल के मरीजों की भी भारी भीड़ देखी गई। लगातार बदलते मौसम और बारिश के कारण लोगों में फैले सर्दी जुकाम और एलर्जी के मामलों में अचानक वृद्धि हुई है। जिसके चलते मंगलवार को धनौरा सीएचसी में 200 से अधिक मरीज दवाई लेने के लिए पहुंचे जिनमें से अधिकतर मरीज मौसमी वायरल से पीड़ित थे। बता दें कि बरसात के मौसम को देखते हुए सीएचसी प्रबंधन ने मौसमी बीमारियों और बुखार के मरीजों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। अस्पताल में एक 'फीवर हेल्प डेस्क' स्थापित किया गया है। मंगलवार को डॉ. अनामिका चौधरी ने अत्याधुनिक फीवर जांच मशीन से मरीजों की जांच की और उनकी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया।डॉ. अनामिका चौधरी ने मरीजों को बारिश के मौसम में खान-पान और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से सूती और ढके हुए कपड़े पहनने, आसपास पानी जमा न होने देने, पुराने टायरों व कूलरों की नियमित सफाई करने और केवल स्वच्छ पानी पीने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि बुखार या किसी भी तरह की असहजता महसूस होने पर तुरंत सीएचसी से संपर्क करें।संभावित डेंगू और मलेरिया के खतरे से निपटने के लिए सीएचसी में पुख्ता तैयारियां की गई हैं। डॉ. चौधरी ने बताया कि डेंगू और मलेरिया के संदिग्ध या गंभीर मरीजों के लिए 8 बेड का एक विशेष वातानुकूलित (AC) वार्ड तैयार किया गया है। संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सभी बेड पर मच्छरदानी की व्यवस्था भी की गई है।स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन में कुमारी ममतेश, शैली यादव और मुस्कान कटियार ने विशेष सहयोग दिया।सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि बरसात के दिनों में किसी भी बुखार को हल्के में न लें। उन्होंने झोलाछाप डॉक्टरों के पास जाने के बजाय तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल या सीएचसी में आकर निःशुल्क जांच और इलाज कराने की सलाह दी।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल/अमरोहा
अमरोहा
बुधवार 19 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

एनचोड़ा कंबोह में केनरा बैंक शाखा के नवीन भवन का शुभारंभ

ग्रामीणों, किसानों और युवाओं को मिलेंगी बेहतर बैंकिंग सुविधाएं

एनचोड़ा कंबोह/संभल(सब का सपना):-क्षेत्रवासियों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के एनचोड़ा कंबोह में केनरा बैंक की शाखा के नवीन भवन का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्कि धाम के आचार्य प्रमोद कृष्णम एवं दयानंद सिंह रहे। इस अवसर पर केनरा बैंक के मलय नीरव (एजीएम) संजीव पोद्दार (डीएम) सुमित तिवारी (एचआरएम) रश्मि (डीजीएस सीबीओए) प्राची (एसएम आरओ) ललित विजय राय (एलडीएम संभल) सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। शाखा प्रबंधक सुमित कुमार एवं असमोली शाखा प्रबंधक कौशल ने भी सहभागिता की। बैंक अधिकारियों ने कहा कि नवीन भवन के शुरू होने से क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों, युवाओं, महिलाओं एवं अन्य ग्राहकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर और सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं मिलेंगी। कार्यक्रम में केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने संस्थान में संचालित विभिन्न स्वरोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं एवं बेरोजगार लोगों से प्रशिक्षण का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। वहीं आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ग्रामीण स्वरोजगार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को रोजगार तलाशने के साथ-साथ रोजगार देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों से आरसेटी, बहजोई के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार, वित्तीय सशक्तीकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। समारोह उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पुलिस ने चोरी की घटनाओं का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम आर्थल में बंद मकान में चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने क्षेत्र के कई अन्य बंद मकानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त को ग्राम आर्थल निवासी अशोक पुत्र हरिराम ने थाना धनारी में तहरीरी सूचना देकर बताया था कि अज्ञात अभियुक्तों ने उनके मकान में घुसकर कपड़े, जेवरात एवं अन्य सामान चोरी कर लिया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान पुलिस ने मंगलवार को चन्द्रकेश पुत्र महेन्द्र तथा वीरेन्द्र पुत्र पोखी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने ग्राम आर्थल में बंद मकान की दीवार कूदकर प्रवेश किया और कमरों के ताले तोड़कर लोहे के बक्सों व अलमारी से कपड़े, बर्तन तथा पीतल एवं स्टील का सामान चोरी किया था। चोरी के दौरान गांव में जाग होने तथा लोगों की आवाजाही की आहट मिलने पर दोनों पोटलियों में सामान बांधकर दीवार कूदकर बाजरे के खेत में छिपते हुए फरार हो गए थे।

आरोपियों ने पूछताछ में ग्राम डोहरी में 3 व 4 अगस्त की रात बंद मकान में चोरी करना भी स्वीकार किया। पुलिस के मुताबिक वहां से सोने-चांदी के जेवरात, बर्तन और करीब 25 हजार रुपये की नकदी चोरी की गई थी। इसके अलावा आरोपियों ने कुछ दिन पूर्व खजरा इनायतगंज और शेरपुर में भी बंद मकानों में चोरी करने की बात कबूल की है।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मुख्य रूप से बंद अथवा बाहरी मकानों को निशाना बनाते थे और बरसात तथा अंधेरी रातों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय चन्दौसी भेज दिया। विवेचना के दौरान बरामदगी एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है।

स्कूल में छज्जा गिरने से बालक की मौत के मामले में होगी एफआईआर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- विकासखंड असमोली के ग्राम मदाला फतेहपुर स्थित अल हसनैन पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान छज्जा गिरने से एक बालक की मौत और दो बच्चों के घायल होने के मामले में जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जांच में विद्यालय प्रबंधन की प्रथमदृष्टया लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही 15 अगस्त को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। दोनों अधिकारियों ने मृत बालक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को घटना की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सम्भल द्वारा सोमवार को प्रस्तुत की गई जांच आख्या एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही प्रथमदृष्टया सामने आई है। जांच के अनुसार स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान बच्चे कार्यक्रम देखने के लिए विद्यालय की बाउंड्रीवाल पर अनधिकृत रूप से चढ़ रहे थे। इसी दौरान विद्यालय के गेट के ऊपर स्थित छज्जे पर बच्चों का अधिक भार पड़ने से छज्जा और उसके साथ लगी दीवार अचानक गिर गई। हादसे में एक बालक की मृत्यु हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हो गए। घटना के संबंध में विद्यालय परिसर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे की वीडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस एवं प्रशासन को प्राप्त हुई है, जिसमें घटना का पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हुआ है। जांच में पाया गया कि विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाध्यापक एवं संचालक द्वारा बच्चों को छत एवं दीवार पर जाने से रोकने के लिए अपेक्षित सावधानी नहीं बरती गई। इसके अलावा भवन की छत एवं दीवार कमजोर होने के बावजूद बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम नहीं किए गए। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में थाना असमोली के प्रभारी निरीक्षक को विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मामले में मो. उवैस पुत्र बाबू तथा वंश गुप्ता पुत्र प्रमोद कुमार गुप्ता, दोनों निवासी ग्राम मदाला फतेहपुर, थाना असमोली, जनपद सम्भल के विरुद्ध नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, भ्रष्टाचार का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को ग्राम भदौरा स्थित काली देवी मंदिर परिसर के पास में आयोजित की गई। बैठक में मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के क्रियान्वयन में आ रही अनियमितताओं और व्याप्त भ्रष्टाचार पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि जनपद में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित इस योजना का वास्तविक लाभ पात्र किसानों तक नहीं पहुँच पा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग में बिचौलिये और दलाल पूरी तरह हावी हैं। जब भी कोई किसान सीधे पारदर्शी प्रक्रिया से आवेदन करता है, तो उसके आवेदन को खारिज कर दिया जाता है। वहीं, जब वही आवेदन दलालों के माध्यम से पहुँचाया जाता है, तो उसे तुरंत स्वीकृति दे दी जाती है। कृष्ण कुमार शर्मा ने आगे कहा कि इस तरह की कार्यशैली से न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि मेहनत करने वाले जरूरतमंद किसान योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। पूर्व में योजना के लिए चयनित किसानो से अवैध बसूली की जा रही है उन्होंने शासन-प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने और इसमें विकास खंड से लेकर जनपद तक संलिप्त दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पात्र आवेदकों को बिना रिश्वत योजना का लाभ नहीं दिया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक के अंत में किसानों के हितों की रक्षा के लिए गोलबंद होने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुकेश सिंह, जयवीर सिंह, रमन सिंह, राम सिंह सैनी, यश चौधरी, मनवीर सिंह तथा चंद्रशेखर, संजीव सैनी, विनोद कश्यप सहित अनेक ग्रामीण व किसान उपस्थित रहे।

उद्योग बन्धु की बैठक में जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट अमरोहा में आयोजित की गई। बैठक में जनपद के उद्यमियों एवं औद्योगिक संगठनों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं प्रकरणों की समीक्षा की गई। सर्वप्रथम निवेश मित्र पोर्टल के अंतर्गत निर्धारित समय सीमा के उपरांत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जैकिट ढोलक मर्चेन्ट द्वारा सड़क बनाये जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित सड़क के गड्ढे भरवाने के निर्देश दिए। मै0 सी0एल0 गुप्ता एक्सपोर्ट लि0 को मंडी शुल्क से छूट से संबंधित समाधान के लिए मंडी अधिनियम-1964 की धारा-32 के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने के निर्देश दिए गए। मै0 सुप्रीम पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज की इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट के संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से विद्युत सुरक्षा विभाग के मुख्यालय को पत्र प्रेषित करने के निर्देश सहायक निदेशक, विद्युत सुरक्षा विभाग, अमरोहा को दिए गए। कॉटन वेस्ट इण्डस्ट्री द्वारा पानी/ग्राउंड वाटर प्रदूषित किए जाने के संबंध में नगर पालिका परिषद, अमरोहा को संबंधित इकाइयों की संयुक्त जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त उद्योग द्वारा बताया गया कि दिनांक 25 सितंबर 2026 से 29 सितंबर 2026 के मध्य इण्डियन एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय मेले में अधिक से अधिक निर्यातकों एवं उद्यमियों से प्रतिभाग करने की अपेक्षा की गई। इण्डस्ट्रीयल एरिया स्थापित किए जाने हेतु 05 एकड़ तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल इम्प्लाईमेंट एण्ड इण्डस्ट्रीयल जोन की स्थापना के लिए 50 एकड़ भूमि चिन्हित करने के संबंध में जनपद के उप जिलाधिकारियों को अनुस्मारक पत्र प्रेषित करने हेतु उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए गए। ग्राम अदलपुर, अमरोहा द्वारा कैलसा जनपद अमरोहा में अमरोहा-कैलसा-पाकबड़ा मार्ग पर कैलसा रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे फाटक संख्या-16-सी पर ऊपरगामी सेतु बनवाए जाने के संबंध में लोक निर्माण विभाग को मुख्यालय अनुस्मारक पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। वहीं जीआर सॉल्वेन्टस एण्ड एलाईड इण्डस्ट्रीज लि0, ग्राम अदलपुर, अमरोहा की इकाई के कनेक्शन संख्या-1-छढ/कक छड्डी 200 डश्अ को नियमित विद्युत आपूर्ति दिलाए जाने के संबंध में विद्युत विभाग के मुख्यालय को अनुस्मारक पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। गजरौला औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित अफ्लक ढछअरळक्टर के स्वामी पर हुए जानलेवा हमला एवं लूट के प्रकरण में विवेचना किस स्तर पर विचाराधीन है, इसका विवरण पुलिस विभाग को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जनपद अमरोहा में गजरौला फूड हब में कूड़ा हटाए जाने के संबंध में जिला पंचायत को कूड़ा हटाए गए स्थल की जीपीएस फोटो सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।मिनी औद्योगिक आस्थान, जोया, अमरोहा के उच्चीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लि0 कानपुर से प्रस्ताव संशोधित कराने के लिए अनुस्मारक पत्र प्रेषित करने तथा जनपद अमरोहा में प्लेज पार्क योजनान्तर्गत विकसित किए जा रहे मैसर्स आरना इण्डस्ट्रीयल प्लेज पार्क की जांच हेतु जांच समिति गठित कर शीघ्र जांच कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्राप्त नवीन प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उपायुक्त उद्योग अनूप कुमार श्रीवास्तव, एलडीएम उमेश प्रजापति, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा दिनेश कुमार, सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा विभाग राजेश पाण्डेय, अधिशासी अभियंता विद्युत गजरौला नीरज यादव, अधिशासी अभियंता हायडिल धीरेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण तथा जनपद के प्रमुख औद्योगिक संगठन एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

डिडौली क्षेत्र में तीन साल की बच्ची लापता, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की तलाश,खेत-खलिहान और जंगलों में सर्च ऑपरेशन जारी

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में एक तीन साल की बच्ची के गायब होने का मामला सामने आया है। इस मामले में बच्ची के परिजनों ने बच्ची को आसपास के क्षेत्र में काफी तलाशने के बाद पुलिस को सूचना दी जिसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इस मामले में मुकदमा दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बच्ची अपनी दादी और भाई के साथ घर से करीब 500 मीटर दूर रिश्तेदारी में गई थी। कुछ देर बाद दादी पोते के साथ घर लौट आईं, लेकिन अमायरा उनके साथ नहीं थी। परिजनों को बच्ची के गायब होने की जानकारी मिली तो आसपास तलाश शुरू की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और अपहरण का मुकदमा दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने गांव के खेतों, गन्ने की फसलों, बंद मकानों, खंडहरों और सुनसान इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है।गांव निवासी फातिमा सोमवार को अपनी तीन वर्षीय पोती अमायरा और पोते अकरम अर्हम के साथ घर से करीब 500 मीटर दूर अपनी बहन के घर गई थीं। कुछ देर बाद फातिमा पोते के साथ वापस घर लौट आईं, लेकिन अमायरा उनके साथ नहीं थी। घर पहुंचने पर बच्ची की मां सबनूर ने अमायरा के बारे में पूछा। फातिमा को भी बच्ची के वहां होने की जानकारी नहीं थी।अमायरा के साथ नहीं होने की जानकारी मिलते ही फातिमा तुरंत अपनी बहन के घर वापस पहुंचीं। वहां भी बच्ची नहीं मिली। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास के इलाके में उसकी तलाश शुरू कर दी, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी बच्ची का कोई पता नहीं चला।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। ग्रामीणों के अनुसार, घर से कुछ दूरी पर लगे कई सीसीटीवी कैमरे बंद हैं। ऐसे में पुलिस को बच्ची के संभावित रास्ते का पता लगाने में परेशानी हो रही है।पुलिस टीमों ने गांव के खेतों, गन्ने की फसलों, बंद पड़े मकानों और खंडहरनुमा स्थानों में तलाशी अभियान चलाया। जंगल और सुनसान इलाकों में भी पुलिस लगातार बच्ची की तलाश कर रही है। पुलिस गांव के बच्चों और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि बच्ची के घर से निकलने के बाद उसके संभावित रास्ते की जानकारी मिल सके।सीओ सिटी डॉ. प्रदीप कुमार और थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार बालियान पुलिस फोर्स के साथ बच्ची की तलाश में जुटे रहे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से जानकारी लेकर संभावित स्थानों पर सर्च ऑपरेशन तेज कराया है। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।अमायरा के लापता होने की जानकारी मिलते ही परिवार में चिंता का माहौल है। परिजन बच्ची की सकुशल बरामदगी की उम्मीद लगाए हुए हैं। पुलिस का कहना है कि बच्ची की तलाश के लिए सभी संभावित स्थानों पर जांच और सर्च ऑपरेशन जारी है।

नकली रसगुल्ले बनाने की शिकायत पर मंगनपुर में छापा, सैंपल जांच के लिए भेजे

हजरतनगर गढ़ी/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव मंगनपुर में बड़े पैमाने पर सफेद रसगुल्ले बनाए जाने की शिकायत पर सोमवार को प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर गांव में कथित रूप से नकली रसगुल्ले बनाए जाने की शिकायत किए जाने के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई की। शिकायत की जानकारी मिलने पर सम्भल सिटी मजिस्ट्रेट, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी तथा हजरतनगर गढ़ी पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान मौके पर रसगुल्ले बनाने वाले प्रतिष्ठानों की करीब चार घंटे तक जांच की गई। अधिकारियों ने निर्माण स्थल, तैयार रसगुल्लों तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जांच के दौरान संबंधित कारोबारियों द्वारा खाद्य विभाग का लाइसेंस और जीएसटी से संबंधित दस्तावेज अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए। अधिकारियों ने मौके से रसगुल्लों के नमूने भी लिए, जिन्हें जांच के लिए मेरठ स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा। सिटी मजिस्ट्रेट ने मीडिया को बताया कि नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। मौके पर मौजूद कुछ तैयार रसगुल्लों को एक कमरे में रखकर सील भी किया गया है। अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट में नमूने मानकों के अनुरूप पाए जाते हैं या नहीं, इसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गांव मंगनपुर में सफेद रसगुल्लों का कारोबार काफी समय से संचालित होने की बात सामने आई है। स्थानीय स्तर पर इससे पहले भी खाद्य विभाग की ओर से जांच और सैंपलिंग किए जाने की चर्चा है। हालांकि पूर्व में लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। अब सोमवार को हुई कार्रवाई के बाद लोगों की नजर मेरठ प्रयोगशाला से आने वाली जांच रिपोर्ट पर टिकी है।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं को

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत मंगलवार को जनपद सम्भल में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने बहु-बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में पहुंचकर बालिकाओं को महिला सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। महिला पुलिसकर्मियों ने चौपाल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याएं सुनीं तथा उनके निस्तारण के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर पुलिस एवं संबंधित विभागों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना मिशन शक्ति अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी जागरूकता अभियान चलाया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं को शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा संचालित सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी बताया गया। पुलिस टीम ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के उपयोग की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने मोबाइल में इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के प्रयोग का डेमो भी दिया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया तथा किसी भी तरह की समस्या होने पर बिना झिझक संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

वन विभाग के पिंजरे में एक ओर पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव शाहअलीपुर में दहशत का पर्याय बना गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो ही गया। पिंजरे में एक मादा गुलदार के पकड़े जाने पर ग्रामीणों मैं राहत की सांस ली है। दस दिन पूर्व ग्राम हकीकतपुर सहसू उर्फ जीतपुर पलड़ी में एक गुलदार वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ था। थाना क्षेत्र के ग्राम शाहलीपुर कोटरा मैं गुलदार मादा पिछले काफी समय से दहशत का पर्याय बना हुआ था ग्रामीण अपने खेती संबंधी टौल्या बनाकर खेतों पर जाते थे, और शाम ढलते ही घरों में कैद हो जाते थे क्योंकि गुलदार ग्रामीण रिकॉर्ड अनेक बार देखने को मिला जिसे देखकर ग्रामीणों में दहशत फैली थी। ग्रामीणों ने वन विभाग के अलावा जिलाधिकारी से गुलदार पकड़े जाने के लिए पिंजरा लगाए जाने के गुहार की थी। ग्रामीणों की शिकायत पर ग्राम शाहलीपुर में एक किसान के खेत में पिंजरा लगाया गया था। जिसमें मंगलवार को माता गुलदार कैद हो गई जिसके पकड़े जाने से ग्रामीण और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो के लोगों ने राहत के साथ ली है। उधर नगीना वन विभाग के वन दारोगा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि आज सुबह 6 बजे ग्राम शाहलीपुर के ग्रामीणों ने वन विभाग के पिंजरे में गुलदार के कैद होने की सूचना दी।तत्काल वन क्षेत्राधिकारी(रेंजर) प्रदीप शर्मा,वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार व नईम अली,वन रक्षक मोहित कुमार व साजिद अली तथा माली लाल सिंह की टीम मौके पर पहुंची। पिंजरे के पास एकत्र ग्रामीणों की भीड़ को हटाकर पिंजरे में कैद गुलदार को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर पिंजरे समेत कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचाया। वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार मादा है और उसकी उम्र लगभग चार वर्ष है। उच्चाधिकारियों को सूचना दे दी गई है, और उनके आदेशानुसार अगली कार्रवाई की जाएगी।

वन क्षेत्राधिकारी(रेंजर) प्रदीप शर्मा ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार काफी समय से उक्त गांव के आसपास सक्रिय था।ग्रामीणों की शिकायत व मांग पर गांव के सोनू चौधरी के खेत में पिंजरा लगाया गया था। जिसमें मादा गुलदार कैद हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि 10 दिन पूर्व ग्राम जीतपुर में एक गुलदार पिंजरे में पकड़ा गया था।

गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे में 10 गुना मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने बनाई रणनीति

गुरदासपुर में दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों की बैठक, बुधवार से बाइक रैली के साथ गांव-गांव चलेगा जनसंपर्क अभियान

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- प्रस्तावित गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण के मामले में किसानों ने 10 गुना मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली है। मंगलवार को गुरदासपुर में दर्जनों गांवों के किसानों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसमें सैकड़ों किसानों ने भाग लेकर सरकार से भूमि के बदले 10 गुना मुआवजा दिए जाने की मांग उठाई।बैठक में किसानों ने कहा कि एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए उनकी भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, ऐसे में किसानों को उचित एवं सम्मानजनक मुआवजा मिलना चाहिए। किसानों ने अपनी मांग को मजबूती से सरकार तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया। बुधवार (आज)से निकलेगी बाइक रैली, गांव-गांव होगा जनसंपर्क किसानों ने तय किया कि बुधवार को दर्जनों गांवों के सैकड़ों ग्रामीण बाइक रैली निकालकर गांव-गांव पहुंचेंगे और ग्रामीणों से संपर्क कर उन्हें आंदोलन से जोड़ेंगे। इस दौरान किसानों को एकजुट कर सरकार से भूमि अधिग्रहण के बदले 10 गुना मुआवजा दिलाए जाने की मांग को मजबूती से उठाया जाएगा। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे संगठित होकर अपनी आवाज उठाते रहेंगे।बैठक की अध्यक्षता डॉ. अभयवीर सिंह ढाका ने की, जबकि संचालन देशराज सिंह ने किया। बैठक में तुलाराम सिंह, प्रभात कुमार, राजू शर्मा, भूपेंद्र सिंह, भारत सिंह, राम अवतार सिंह, परम सिंह, जीवन सिंह, राम सिंह, खूब सिंह, महेंद्र सिंह, ओंकार सिंह,सुनिता देवी ,छाया देवी सहित दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

आजादी के जश्न में शायरी का रंग, बिजनौर में हुआ शानदार मुशायरा

बिजनौर।(सब का सपना):- 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ए एन पोएट्री इवेंट की ओर से मोहल्ला बुखारा, बिजनौर में जश्न-ए-आजादी पर मुशायरे का आयोजन किया गया। मुशायरे के कनवीनर जीशान कमर बिजनौरी और अशरफ बिजनौरी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे मशहूर शायरों और फनकारों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुशायरे की सदारत मशहूर शायर फारूक बिजनौरी ने की, जबकि निजामत जीशान कमर बिजनौरी ने की। कार्यक्रम में बिजनौर के समाजसेवी पत्रकार फहीम अख्तर उर्फ राजा मेहमान-ए-खुसूसी के रूप में मौजूद रहे। मुशायरे में शायरों ने देशभक्ति, स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों, सामाजिक परिस्थितियों और मौजूदा हालात को अपने कलाम के माध्यम से सामने रखा। शायरों ने देश की एकता, भाईचारे, सामाजिक जिम्मेदारी और आजादी के संघर्ष को अपनी शायरी में प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर ए एन पोएट्री इवेंट की ओर से मुशायरे के सदर शायर फारूक बिजनौरी को शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके साहित्यिक योगदान और मुशायरे में उनकी सदारत की सराहना की। मुशायरे में अकरम नगीनवी, आफताब नोमानी नजीबाबादी, शाहिद नगीनवी, डॉक्टर इलियास अंसारी नजीबाबादी, शाकिर रिजवी जलालाबादी, इमरान, सागर नगीनवी, शफाक बिजनौरी, अब्दुल समद आजाद, खुर्शीद बुखारवी, खुर्शीद अब्बासी एडवोकेट, नवाज बिजनौरी, जीशान कमर, अशरफ बिजनौरी, साजिद सागर, नदीम आसिम, नजाकत अमीन और शान मिर्जा बिजनौरी सहित स्थानीय व बाहर से आए शायरों ने अपना कलाम पेश कीं। ए एन पोएट्री इवेंट के सचिव जीशान कमर बिजनौरी ने सभी शायरों और उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश को आजाद कराने वाले वीरों की कुर्बानियों को याद करने का अवसर है। उन्होंने आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और एकता को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया।

लक्सर के कथित अवैध ब्लड कैंप मामले में सामने आया बिजनौर कनेक्शन

पांच आरोपी गिरफ्तार, 27 यूनिट रक्त और 27 खाली ब्लड बैग बरामद, नेटवर्क की जांच तेज

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तराखंड के लक्सर में कथित तौर पर बिना अनुमति ब्लड कैंप लगाकर रक्त एकत्र करने और उसकी बिक्री के मामले में बिजनौर कनेक्शन सामने आने के बाद जांच का दायरा बढ़ गया है। लक्सर पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बिजनौर निवासी सपा नेता एवं भागीरथ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल सैनी के पुत्र दुष्यंत कुमार का नाम भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 27 यूनिट रक्त और 27 खाली ब्लड बैग बरामद किए गए हैं। मामले की जांच हरिद्वार पुलिस द्वारा की जा रही है। हरिद्वार के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के अनुसार 16 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग कथित रूप से बिना अनुमति ब्लड कैंप लगाकर रक्त एकत्र कर रहे हैं और उसे दूसरे राज्यों में बेच रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक पूछताछ में रक्त को बिजनौर में करीब आठ हजार रुपये प्रति यूनिट तक बेचने की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और रक्त की खरीद-फरोख्त से जुड़े तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। एसएसपी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में से एक के बिजनौर में भी कथित रूप से सेटअप होने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद पुलिस लक्सर से बिजनौर तक कथित रक्त संग्रहण और बिक्री के नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इससे पहले लगाए गए दो कथित ब्लड कैंपों में एकत्र किया गया रक्त कहां भेजा गया और इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल थे। मामले में पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ और तथ्य सामने आने की उम्मीद है।

श्री अनंत भुवनेश्वर महादेव के अर्धनारीश्वर रूप ने मन मोहा

संपूर्ण ब्रह्मांड के लिए कल्याणकारी है शिव का यह स्वरूप - आचार्य करुणा शंकर त्रिवेदी

अमौली (सब का सपना):- श्रावण मास के तृतीय सोमवार को विगत वर्षों की भांति कस्बे के सुप्रसिद्ध श्री अनंत भुवनेश्वर महादेव मंदिर में बाबा भोलेनाथ का अभिषेक, भव्य श्रृंगार एवं दिव्य संध्या आरती का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया। सुप्रसिद्ध आचार्य करुणाशंकर शास्त्री जी ने मुख्य यजमान प्रेम कुमार गहोई के साथ विधिवत पूजन संपन्न कराया। इस दौरान माताओं-बहनों ने भजन-कीर्तन और संगीत के माध्यम से प्रभु को रिझाया। आचार्य करुणाशंकर शास्त्री ने कहा कि भगवान शिव का अर्धनारीश्वर स्वरूप संपूर्ण ब्रह्मांड के लिए कल्याणकारी है। यह स्वरूप हमें स्त्री और पुरुष दोनों की शक्ति के संतुलन का संदेश देता है।आयोजक एवं मंदिर प्रबंधन समिति के उमेश त्रिवेदी ने बताया कि ग्रामवासियों एवं भक्तों के सहयोग से इस वर्ष श्रावण मास में आयोजित सभी कार्यक्रम बड़े दर्शनीय एवं कल्याणकारी रहे। उन्होंने सफल एवं भव्य आयोजन के लिए सभी यजमानों, दानदाताओं, श्रृंगार व्यवस्था में जुटी स्वयंसेवी माताओं-बहनों सहित समस्त आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में माया त्रिवेदी, चंद्रकांति त्रिवेदी, भगवती त्रिवेदी, सुषमा त्रिवेदी, माया ओमर, राधा ओमर, लक्ष्मी त्रिवेदी, नीरज द्विवेदी, रेखा, आरती त्रिवेदी, सोनी ओमर, शैलजा त्रिवेदी, रिचा ओमर, गीता ओमर, सरिता गहोई, गोमती प्रजापति, कोमल, वृंदा निगम, आद्या त्रिवेदी, विजयशंकर त्रिवेदी, रविशंकर त्रिवेदी, डॉ. दयाशंकर त्रिवेदी, सत्य नारायण ओमर, समाजसेवी काजू ओमर, छोटा ओमर, महेंद्र दुबे, रामदास ओमर बाबा जी, कपिल कुमार गहोई, विमल ओमर, बिहारी भैया, नितिन ओमर, मोहित ओमर, सचिन त्रिवेदी, संदीप त्रिवेदी, हर्षित गहोई, सुधांशु त्रिवेदी, हिमांशु त्रिवेदी, प्रबल त्रिवेदी सहित समस्त भक्त समुदाय उपस्थित रहा।

पीआरडी जवानों को कैशलेस इलाज और बढ़ेगा दैनिक ड्यूटी भत्ता

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए उन्हें मुख्यमंत्री कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ने तथा दैनिक ड्यूटी भत्ता 500 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये करने की घोषणा की है। मंगलवार को गोरखपुर में आयोजित राज्यस्तरीय पीआरडी जवान सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणाएं कीं। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बहजोई स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में भी किया गया। मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों के अनुशासन, सेवा और निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि यातायात व्यवस्था, थानों में पुलिस के सहयोग, औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तथा बड़े आयोजनों में जवान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने से जवानों और उनके आश्रितों को गंभीर बीमारी की स्थिति में बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

इसके अलावा जवानों के दैनिक ड्यूटी भत्ते में 100 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब 500 रुपये के स्थान पर 600 रुपये प्रतिदिन ड्यूटी भत्ता मिलेगा। शासनादेश जारी होने के बाद इसका लाभ संबंधित जवानों को मिलना शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के सरोजिनी नगर में पीआरडी जवानों के उच्चस्तरीय प्रशिक्षण के लिए आधुनिक मल्टी-स्टोरी बैरक के निर्माण का भी शिलान्यास किया। यहां जवानों को बेहतर आवासीय सुविधाओं के साथ आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। जिला युवा कल्याण विभाग के अनुसार सम्भल जिले में वर्तमान में 141 पीआरडी जवान विभिन्न स्थानों पर सेवाएं दे रहे हैं। इन्हें आठ घंटे की दैनिक ड्यूटी के आधार पर मस्टर रोल के अनुसार भुगतान किया जाता है। शासनादेश जारी होने के बाद जिले के सभी 141 जवानों को बढ़े हुए 600 रुपये प्रतिदिन के भत्ते का लाभ मिलेगा। बहजोई कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने की। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी रहे। कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ विभिन्न ब्लॉकों से आए 95 पीआरडी जवानों ने मुख्यमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा। घोषणाओं के बाद जवानों ने खुशी जताते हुए कहा कि कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और भत्ता वृद्धि से उनका मनोबल बढ़ा है।

शामली: खरीफ 2026 का ई-खसरा सर्वे 24 अगस्त से, 3000 से अधिक कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

8 अक्टूबर तक पूरा होगा फसल सर्वे, विकास भवन में दो पालियों में चला प्रशिक्षण कार्यक्रम

शामली (सब का सपना):- जनपद में खरीफ 2026-27 ई-खसरा पड़ताल एवं फसल सर्वे कार्य 24 अगस्त से शुरू होगा। इस सर्वे को समय से पूरा कराने के लिए मंगलवार को विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय/तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा दो पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी शामली के निदेशों के क्रम में उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण में कृषि, राजस्व और पंचायत राज विभाग के क्षेत्रीय कार्मिकों को ई-खसरा एप के माध्यम से फसल सर्वे की बारीकियां सिखाई गईं। प्रशिक्षण में कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी, एटीएम, बीटीएम, राजस्व विभाग के लेखपाल, राजस्व निरीक्षक, पंचायत राज विभाग के ग्राम पंचायत सहायक और प्राइवेट सर्वेयरों ने भाग लिया। साथ ही कृषि विभाग के समस्त सहायक विकास अधिकारीगण भी मौजूद रहे। उप कृषि निदेशक ने बताया कि ई-खसरा पड़ताल सोजन 2026-27 का फसल सर्वे कार्य 24 अगस्त 2026 से शुरू होकर 8 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान सभी कार्मिक अपने-अपने क्षेत्र में जाकर खेतों की फसल का भौतिक सत्यापन कर ई-खसरा पोर्टल पर डाटा फीड करेंगे। प्रशिक्षण में कार्मिकों को एप पर फोटो खींचने, जियो-टैगिंग करने और फसलवार डाटा एंट्री करने की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि गलत सूचना देने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 9.30 बजे से अपराह्न 2.30 बजे तक दो पालियों में चलाया गया। ई-खसरा पड़ताल के तहत राजस्व और कृषि विभाग के कार्मिक हर खेत पर जाकर कौन सी फसल बोई गई है, इसका सत्यापन करते हैं। इस डाटे के आधार पर ही फसल बीमा, मुआवजा और सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों को मिलता है।

फतेहपुर: देवमई नहर पुलिया के पास पुलिस मुठभेड़, 3 बदमाश गिरफ्तार

एक के पैर में गोली लगी, 2 अवैध तमंचे और बोलेरो कार बरामद

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के बकेवर थाना पुलिस और क्राइम डिटेक्शन टीम की संयुक्त कार्रवाई में सोमवार देर रात देवमई नहर पुलिया के पास बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि भाग रहे दो अन्य बदमाशों को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए बदमाश बकेवर और औंग थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदातों में वांछित चल रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने देवमई नहर पुलिया के पास चेकिंग शुरू की। इसी दौरान बाइक सवार तीन संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में रफीक पुत्र सफीक निवासी कछेवरा, थाना जहानाबाद के बाएं पैर में गोली लगी। गोली लगने से घायल रफीक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहीं भाग रहे नसीम पुत्र सत्तार उर्फ भुल्ली और जावेद पुत्र नफीस, दोनों निवासी तेजानगर थाना जहानाबाद को पुलिस ने मौके से पकड़ लिया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 अवैध 315 बोर तमंचे, 2 खोखा कारतूस, 3 जिंदा कारतूस, सफेद रंग की बोलेरो कार, 12,500 रुपये नकद, लोहे की रॉड और 4 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों का संबंध थाना बकेवर के मुकदमा संख्या 101/2026 तथा थाना औंग के मुकदमा संख्या 72/2026 और 75/2026 से सामने आया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार बदमाशों का आपराधिक इतिहास खंगालने पर फतेहपुर समेत अन्य जनपदों में इनके खिलाफ 15 से अधिक मुकदमे दर्ज मिले हैं। पुलिस अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

चंडीगढ़ में पीजीआई पास नो पार्किंग जोन में खड़े वाहन होंगे जब्त, कैपिटल कॉम्प्लेक्स की सुरक्षा होगी मजबूत

चंडीगढ़। सेक्टर-12 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) के आसपास से अतिक्रमण अब सख्ती होगी। सड़कों पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को जब्त किया जाएगा। इस संबंध में जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने जिला सड़क सुरक्षा समिति (डीआरएससी) की 26वीं बैठक में आदेश जारी किए हैं। बैठक में सेक्टर-1 स्थित कैपिटल कॉम्प्लेक्स की व्यापक सुरक्षा योजना (कंप्रीहेंसिव सिक्योरिटी प्लान) को भी मंजूरी दी गई। डीसी ने सेक्टर-29/30 लाइट प्वॉइंट के बीच मीडियन में ग्रिल लगाने का काम दो माह के भीतर पूरा करने को कहा। वहीं वी-3, वी-4 और वी-5 सड़कों पर 61 स्थानों पर 195 ब्लिंकर लगाने का काम एक माह में पूरा करने को कहा गया। धनास ब्रिज, मटका चौक और इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1/बलटाना टर्न पर एडेप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) लाइट्स लगाने के निर्देश भी दिए गए। एयरपोर्ट लाइट प्वॉइंट पर सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे तय समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। बैठक में एसएसपी ट्रैफिक, इंजीनियरिंग विभाग, नगर निगम, चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस, स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। 30 सड़क हादसों के पीड़ितों को कैशलेस उपचार समिति को सड़क दुर्घटना पीड़ितों के कैशलेस उपचार के लिए संचालित पीएम राहत योजना की प्रगति की जानकारी दी गई। योजना शुरू होने के बाद टीएमएस 2.0 पोर्टल पर अब तक 30 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से 21 मामलों को मंजूरी मिल चुकी है। 83 घातक दुर्घटना स्थलों की जांच समिति ने शहर के 83 घातक सड़क दुर्घटना स्थलों के संयुक्त निरीक्षण के बाद की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि दो संबंधित सर्किल डिवीजनों के अंतर्गत क्रमशः 16 और 26 स्थानों पर अनुशंसित सड़क सुरक्षा उपाय लागू किए जा चुके हैं। बाकी स्थानों पर भी सुरक्षा उपाय जल्द लागू करने के निर्देश दिए गए।

चंडीगढ़ का मौसम 18 अगस्त: बारिश में डूबी चंडीगढ़ की सड़कें, गाड़ियां हुईं बंद; सुखना के फ्लड गेट खोले

चंडीगढ़। चंडीगढ़ समेत पूरे ट्राईसिटी में मंगलवार सुबह झमाझम बरसात हुई। कई इलाकों में जलभराव होने से स्कूल जाने वाले बच्चों, अभिभावकों और दफ्तर जाने वाले लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बरसात की वजह से सुबह मौसम सुहावना रहा, लेकिन 11 बजे के बाद हल्की धूप निकली और उमस भी बढ़ गई। इसके बाद दोपहर बाद फिर झमाझम बारिश शुरू हुई। चंडीगढ़ की सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी जमा हो गया। सड़कों पर गाड़ियां और दो पहिया वाहन बंद हो गए। वाहनों चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। मोहाली में स्कूली छात्राएं ऑटो को धक्का लगाती दिखी। वहीं, सुखना लेक का जलस्तर इतना बढ़ गया कि फ्लड गेट तक खोलने पड़े। इसके लिए चंडीगढ़ प्रशासन ने पंचकूला और मोहाली प्रशासन को भी अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग ने चंडीगढ़, पंचकूला और मोहाली में अगले पांच दिनों तक गरज के साथ बारिश की संभावना जताई है। 19 अगस्त को अधिकतम तापमान 33 डिग्री रहने का अनुमान है। 20 से 22 अगस्त के बीच अधिकतम तापमान 34 डिग्री के आसपास रह सकता है। न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार सुबह तेज बारिश के बाद पंचकूला के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। सेक्टर-19 अंडरपास में बारिश का पानी भरने से लोगों को काफी दिक्कत हुई। अमरटैक्स चौक के आसपास और इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में भी सड़क पर पानी जमा हो गया। सेक्टर-19 में कई मकानों के बाहर भी बारिश का पानी जमा हो गया। इससे लोगों को घरों से बाहर निकलने और वाहन निकालने में परेशानी हुई। जलभराव के बाद लोगों ने शहर की बरसाती पानी की निकासी व्यवस्था पर सवाल उठाए। मोहाली में सड़कें बनीं तालाब मोहाली में क घंटे हुई तेज बारिश ने जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। कई सेक्टरों में इतना पानी जमा हो गया कि टू व्हीलर पानी में डूबे नजर आए। लोगों का कहना है कि हल्की सी बरसात होने पर ही व्यवस्था डगमगा जाती है।

मिशन 2027 की तैयारी, राहुल गांधी लेंगे पंजाब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की मीटिंग; गुटबाजी पर नकेल कसने की रणनीति तैयार?

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी के बीच पार्टी हाईकमान ने अब वरिष्ठ नेताओं को एक साथ बैठाकर चुनावी रणनीति पर मंथन की तैयारी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की दिल्ली में 19 और 20 अगस्त को अहम बैठक होने की संभावना है। बैठक में 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ प्रदेश संगठन में चल रहे मतभेदों पर भी चर्चा हो सकती है। 19 अगस्त को प्रस्तावित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में विभिन्न राज्यों में आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा होनी है। इसी दौरान पंजाब के नेताओं की राहुल गांधी के साथ अलग बैठक की संभावना है। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और चुनाव कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष विजय इंदर सिंगला समेत वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं। एक साथ राहुल गांधी के सामने होंगे बड़े चेहरे यह पहली बार होगा जब पंजाब कांग्रेस के विभिन्न गुटों के प्रमुख चेहरे एक साथ राहुल गांधी के सामने होंगे। ऐसे में प्रदेश संगठन में नेतृत्व, चुनाव समितियों और टिकट वितरण को लेकर चल रही खींचतान पर हाईकमान का रुख स्पष्ट होने की उम्मीद है। खासकर वड़िंग के नेतृत्व को लेकर चन्नी खेमे की नाराजगी और रंधावा-वड़िंग के बीच हालिया मतभेद भी चर्चा में आ सकते हैं। प्रताप सिंह बाजवा ने पिछले सप्ताह राहुल गांधी से पंजाब के करीब 15 विधायकों के साथ बैठक के लिए समय मांगा था। अब प्रस्तावित दिल्ली बैठक को कांग्रेस की पंजाब इकाई में चल रहे विवाद को सुलझाने की हाईकमान की गंभीर कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए बड़ा कदम, उझ दरिया के पानी को साधने के लिए बांध बनाने की मांग

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने अपने विधानसभा हलके के पंचों, सरपंचों, चेयरमैनों और अन्य लोगों को साथ लेकर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र में हर साल आने वाली बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए उझ दरिया पर बांध बनाने की मांग राज्यपाल के सामने रखी। धालीवाल ने कहा कि हर साल बाढ़ के कारण किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं, सड़कें और स्कूल क्षतिग्रस्त होते हैं तथा लोगों की जमीन पानी की चपेट में आ जाती है। धालीवाल ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर की तरफ से उझ दरिया में अचानक पानी आने के कारण फ्लैश फ्लड की स्थिति पैदा

होती है। भारी बारिश या बादल फटने जैसी स्थिति में पानी तेजी से नीचे आता है और इसका असर पठानकोट, सुजानपुर, दीनानगर, डेरा बाबा नानक और गुरदासपुर सहित आसपास के इलाकों तक पहुंचता है। उझ नदी आगे जाकर रावी में मिलती है। हाल में भी धालीवाल ने उझ नदी के बैराज का दौरा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उझ दरिया पर रणजीत सागर बांध की तर्ज पर बांध बनाने की मांग की थी। 10-12 साल से प्रस्ताव पर नहीं हुआ स्थायी समाधान धालीवाल ने राज्यपाल को बताया कि उझ दरिया पर बांध बनाने का प्रस्ताव पिछले करीब 10-12 वर्षों से चल रहा है, लेकिन इस दिशा में अब तक स्थायी समाधान नहीं निकला है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि वह केंद्र सरकार के समक्ष इस मामले को उठाएं और प्रधानमंत्री तथा जल शक्ति मंत्रालय से बात कर बांध के निर्माण को आगे बढ़ाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बांध बनने से हर साल आने वाली बाढ़ को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके साथ ही पानी का इस्तेमाल सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है। इससे किसानों और सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को लंबे समय तक राहत मिल सकती है। 'विकसित भारत में सीमावर्ती लोग कब शामिल होंगे' धालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि देश को विकसित बनाने की बात हो रही है, लेकिन सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले वे लोग कब विकसित होंगे जिनकी जमीन और फसलें हर साल बाढ़ की चपेट में आ जाती हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र के लोग खेती करते हैं, फसल पैदा करते हैं और दूध का उत्पादन करते हैं। ऐसे में उन्हें भी विकसित भारत का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर साल बाढ़ आने से लोगों की जमीन और फसलें प्रभावित होती हैं, इसलिए इस समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। बाढ़ के मुआवजे का भी उठाया मुद्दा धालीवाल ने पिछली बाढ़ के दौरान घोषित मुआवजे का मुद्दा भी राज्यपाल के सामने उठाया। उन्होंने कहा कि पिछली बार बाढ़ से हुए नुकसान के लिए केंद्र की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई थी, लेकिन उनके अनुसार प्रभावित लोगों को अब तक पूरी राशि नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि यदि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग हर साल बाढ़ की मार झेलते रहेंगे और उन्हें समय पर मुआवजा नहीं मिलेगा तो उनके विकास की चिंता कौन करेगा। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि केंद्र सरकार के स्तर पर इस मामले को भी उठाया जाए। राज्यपाल का सकारात्मक जवाब, जल शक्ति मंत्री से होगी बैठक धालीवाल ने कहा कि राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से उनकी मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने बताया कि जल्द ही राज्यपाल को साथ लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ बैठक की जाएगी। इस बैठक में उझ दरिया पर बांध बनाने और सीमावर्ती क्षेत्र को हर साल आने वाली बाढ़ से बचाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

धालीवाल ने कहा कि उझ दरिया पर बांध बनना केवल बाढ़ नियंत्रण का मामला नहीं है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्र के किसानों और आम लोगों के भविष्य से जुड़ा विषय है। बांध बनने से बाढ़ से होने वाले नुकसान को रोकने के साथ पानी का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकेगा और क्षेत्र के लोगों को स्थायी राहत मिल सकेगी।

'मिशन पंजाब' पर भाजपा का बड़ा दांव, सतीश पूनिया को सौंपी कमान; अंदरूनी तालमेल मजबूत करने पर जोर

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब में संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए वरिष्ठ नेता और सांसद सतीश पूनिया को नया प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने 18 अगस्त 2026 को उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। पूनिया स्वर्गीय विजय रूपाणी के बाद पंजाब भाजपा के प्रभारी की भूमिका संभालेंगे। चुनाव से पहले संगठन के पुनर्गठन और पार्टी के भीतर बेहतर तालमेल स्थापित करना उनके सामने प्रमुख चुनौती होगी। पूनिया को पंजाब भाजपा की प्रदेश इकाई और नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया की निगरानी करनी होगी। पार्टी में संगठनात्मक स्तर पर होने वाले बदलावों को प्रभावी ढंग से लागू कराने के साथ ही अलग-अलग स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की जिम्मेदारी भी उनके कंधों पर होगी। भाजपा नेतृत्व की

कोशिश है कि चुनाव से पहले संगठन को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाया जाए। पुराने-नए नेताओं में तालमेल पर जोर पंजाब में भाजपा के विस्तार के साथ पार्टी में बड़ी संख्या में नए कार्यकर्ता और नेता भी जुड़े हैं। ऐसे में पूनिया के सामने पुराने नेताओं और नए कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने की चुनौती रहेगी। संगठन में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों को उचित प्रतिनिधित्व दिलाना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इसके जरिए पार्टी के भीतर समन्वय बढ़ाने और कार्यकर्ताओं को चुनावी अभियान के लिए एकजुट करने पर जोर रहेगा। चुनावी रणनीति को देंगे धार आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूनिया पंजाब में भाजपा की चुनावी रणनीति को मजबूत करने पर भी काम करेंगे। बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना, कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाना और पार्टी के जनाधार का विस्तार करना उनकी अहम जिम्मेदारियों में रहेगा। प्रदेश नेतृत्व के साथ समन्वय स्थापित कर चुनावी तैयारियों को गति देना भी उनके काम का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। संगठन का लंबा अनुभव सतीश पूनिया को संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है। वह राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और आमेर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं।

इसके अलावा हरियाणा भाजपा के प्रभारी के तौर पर भी वह जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। संगठन और चुनावी प्रबंधन के उनके अनुभव को देखते हुए हाईकमान ने उन्हें पंजाब की जिम्मेदारी सौंपी है।

पूनिया के सामने अब पंजाब भाजपा को एकजुट कर चुनावी मैदान के लिए तैयार करने की चुनौती है। पार्टी की कोशिश है

कि संगठनात्मक बदलावों के साथ नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़े और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत स्थिति में लाया जा सके।

खेडां वतन पंजाब दियां ने दिया उभरते खिलाड़ियों को मजबूत मंच, मशाल मार्च का मोहाली में जोरदार स्वागत

मोहाली। खेडां वतन पंजाब दियां-सीजन-4 के मशाल मार्च के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) जिले में प्रवेश करने पर मंगलवार को सेक्टर-78 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जोरदार स्वागत किया गया। फतेहगढ़ साहिब से पहुंचे मशाल मार्च की अगुआई श्री

आनंदपुर साहिब से सांसद मलविंदर सिंह कंग, मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह और पंजाब यूथ विकास बोर्ड के चेयरमैन परमिंदर सिंह गोल्डी ने की। खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और खेल प्रेमियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उभरते जिम्नास्टिक खिलाड़ियों के प्रदर्शन और भंगड़ा टीमों की प्रस्तुतियों ने माहौल को जोश से भर दिया। 2016 की जूनियर हॉकी विश्व कप विजेता भारतीय टीम के कप्तान हरजीत सिंह तुली और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जीवनजोत सिंह भी इस मौके पर मौजूद रहे। सांसद मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि खेडां वतन पंजाब दियां ने प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मजबूत मंच दिया है। उन्होंने युवाओं से खेलों से जुड़कर नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का आन किया। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि गांवों में आधुनिक खेल सुविधाएं और स्टेडियम विकसित होने से ग्रामीण युवाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर मिले हैं। यूथ विकास बोर्ड के चेयरमैन परमिंदर सिंह गोल्डी ने कहा कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उचित अवसर और सहयोग मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। 3 सितंबर से शुरू होंगी प्रतियोगिताएं सीजन-4 के ब्लॉक स्तरीय मुकाबले 3 से 15 सितंबर, जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 से 30 सितंबर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 10 अक्टूबर से 28 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी। जिला खेल अधिकारी उमेश्वरी शर्मा ने बताया कि मशाल मार्च बुधवार को रूपनगर जिले के लिए रवाना होगा।

पंजाब परिवहन का बड़ा विस्तार, ट्रांसपोर्ट माफिया पर नकेल कसने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के लिए 15 प्रीमियम बसें शुरू

चंडीगढ़। ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की पहुंच को बेहतर और विस्तारित करने के लिए, पंजाब के परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 100 विश्व स्तरीय 'पी.आर.टी.सी. जूनियर' बसें आधिकारिक तौर पर पी.आर.टी.सी. (पेप्सू रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) के बेड़े में शामिल हो जाएंगी। यह घोषणा चल रहे बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और सेवा विस्तार का मूल्यांकन करने के लिए पंजाब के परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की गई एक व्यापक समीक्षा बैठक के बाद की गई। परिवहन मंत्री ने खुलासा किया कि ये पूरी तरह से निर्मित मिडी बसें आयशर द्वारा तैयार और डिलीवर की जा रही हैं। उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान, परिवहन मंत्री

हरपाल सिंह चीमा ने परिवहन विभाग को विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता को और ऊंचा उठाने के उद्देश्य से नवीन विचार प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने पी.आर.टी.सी. और पनबस दोनों की लम्बे समय की वित्तीय स्थिरता और परिचालन मजबूती सुनिश्चित करने के लिए आय के साधनों को बढ़ाने पर भी जोर दिया। सार्वजनिक परिवहन को नया स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने घोषणा की कि राज्य के बेड़े में 1,279 नई बसें शामिल की जा रही हैं। उन्होंने कहा, "इससे सरकारी बसों की संख्या 2,267 से बढ़कर 3,546 हो जाएगी, जो 20 वर्षों में सबसे बड़ी वृद्धि है और पंजाब को देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में ले जाएगी।" परिवहन मंत्री ने कहा कि भगवंत मान सरकार प्रवासी भारतीयों, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और आम यात्रियों के लिए संपर्क को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, "इसके हिस्से के रूप में, हमने जालंधर और लुधियाना से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए वोल्वो कोचों सहित 15 प्रीमियम एयरपोर्ट बसें चलाई हैं। इसने ट्रांसपोर्ट माफिया का शिकंजा तोड़ दिया है और सभी के लिए यात्रा को आसान बना दिया है।" समीक्षा बैठक में परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें सचिव परिवहन वरुण रूजम, मैनेजिंग डायरैक्टर पनबस राजीव कुमार गुप्ता, मैनेजिंग डायरैक्टर पी.आर.टी.सी. मनीषा राणा, अतिरिक्त मैनेजिंग डायरैक्टर पी.आर.टी.सी. नवदीप कुमार और जनरल मैनेजर पी.आर.टी.सी. चंडीगढ़ अमनवीर टिवाणा शामिल थे।

मोहाली में दिखेगी मानवता की मिसाल, भाई घनैयाजी चौक का प्रस्ताव; 5 फीट ऊंची प्रतिमा का भी सुझाव

मोहाली। साहिबजादा अजीत सिंह नगर यानी मोहाली में अब चौक पर मानवता का संदेश मिल सकता है। इसके लिए फेज-2 स्थित मदनपुरा चौक का नाम भाई घनैयाजी चौक रखने की मांग को लेकर भाई घनैयाजी केयर सर्विस एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से नगर निगम को प्रस्ताव दिया गया है। यह चौक फेज-2, फेज-4, फेज-3ए और फेज-3बी1 को जोड़ता है। सोसायटी ने महापौर, उपमहापौर, संबंधित पार्षद और नगर निगम आयुक्त को प्रस्ताव सौंपकर नामकरण की मंजूरी देने की मांग की है। सोसायटी के अध्यक्ष केके सैनी और सदस्यों ने कहा कि भाई घनैयाजी निस्वार्थ सेवा, दया, मानवता और सर्वजन के कल्याण की मिसाल हैं। उन्होंने युद्ध के मैदान में बिना किसी भेदभाव के घायल सैनिकों को पानी पिलाकर मानवता की अद्भुत मिसाल पेश की थी।

चंडीगढ़ में आज 500 से 1000 तक का पेट्रोल मिलेगा फ्री, शाम 5 बजे पहुंच जाएं सेक्टर-10 और 7 के पंप पर

चंडीगढ़। स्मार्टसिटी में आज पेट्रोल फ्री में मिलेगा। इसके लिए आपको पहुंचना होगा सेक्टर-7 के सिद्ध पेट्रोल पंप और सेक्टर-10 के ओबराय पेट्रोल पंप पर। यहां अमृतसर के रहने वाले राकेश त्रेहन पेट्रोल का लंगर लगाने जा रहे हैं। राकेश त्रेहन शाम पांच बजे से सेक्टर-10 के पेट्रोल पंप पर 500 और एक हजार के कूपन बांटेंगे, जिससे जरिये लोग अपने वाहनों में पेट्रोल फ्री में भरवा सकेंगे। राकेश त्रेहन के इस व्यवहार पर उन्हें 'दानवीर कर्ण' और राजा दी किंग के नाम से जाना जाने लगा है। वे पहले भी कई बार लंगर लगा चुके हैं। अमृतसर और चंडीगढ़ में ही अलग-अलग तरह के लंगर लगाए हैं। बीते दिनों चंडीगढ़ के सेक्टर-8 में लगाए गए लंगर में उन्होंने लोगों को 500-500 रुपये के नोट देने के साथ फास्ट फूड, मैकडॉनल्ड का बर्गर और कोल्ड ड्रिंक भी उपलब्ध करवाई थी। माता के हैं भक्त राकेश त्रेहन माता के भक्त हैं। उनका कहना है कि उन पर महामाई की कृपा है और इसी कृपा से वह समय-समय पर लोगों के लिए लंगर लगाते हैं। उन्होंने यह भी अपील की है कि जिन लोगों के पास व्हीकल नहीं है वे कृपा कूपन लेने न आएं। बिटकॉइन के मुनाफे से मुफ्त लंगर राकेश त्रेहन के पिता अमृतसर में कपड़ा व्यापारी थे, लेकिन वह खुद बिटकॉइन का कारोबार करते हैं। बिटकॉइन से होने वाले मुनाफे का एक हिस्सा वह लोगों की सेवा में खर्च करते हैं। पेट्रोल के बाद उनका अगला लक्ष्य आईफोन का लंगर लगाने का है।

गुजरात में एएपी बड़ा दांव, जेल में बंद विधायक वसावा के समर्थन में पहुंचे केजरीवाल और सीएम मान; नए समीकरण साधने की कवायद?

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मंगलवार को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। दोनों नेता गुजरात के डेडियापाड़ा से आप विधायक और प्रमुख आदिवासी नेता चैतर वसावा से जेल में मुलाकात करेंगे। वसावा फिलहाल पुराने मामले में सजा के बाद जेल में हैं। आप के मुताबिक, चैतर वसावा ने आदिवासी समुदाय के अधिकारों, सम्मान और कल्याण से जुड़े मुद्दों को लगातार प्रमुखता से उठाया है। इसी कारण वह गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में प्रभावशाली नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। जेल में होने के बावजूद उनके समर्थकों और आदिवासी समुदाय के बीच उनकी लोकप्रियता बनी हुई है। चैतर वसावा की राजनीतिक पकड़ का असर हाल में हुए नर्मदा जिला पंचायत चुनाव में भी देखने को मिला। चुनाव में आम आदमी पार्टी को ऐतिहासिक जीत

मिली, जिसके बाद पार्टी के भीतर वसावा की भूमिका और उनके जनाधार को लेकर चर्चा तेज हुई है। आप नेतृत्व का मानना है कि आदिवासी क्षेत्रों में पार्टी की मजबूत होती पकड़ के पीछे वसावा की सक्रिय राजनीतिक भूमिका महत्वपूर्ण रही है। केजरीवाल और भगवंत मान की वसावा से प्रस्तावित मुलाकात को राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है। गुजरात में आप आदिवासी क्षेत्रों में अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी है। ऐसे में पार्टी के शीर्ष नेताओं का जेल में वसावा से मिलना उनके प्रति समर्थन और भरोसे का संदेश माना जा रहा है।

आप नेताओं का कहना है कि वसावा की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और आदिवासी समुदाय से जुड़े अधिकारों व कल्याण के मुद्दे पार्टी मजबूती से उठाती रहेगी।

गुजरात दौरे के दौरान दोनों नेताओं के अन्य राजनीतिक कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं।

जालंधर में तालिबानी सजा, एक्टिवा चोरी के शक में युवक को लोहे के गेट से बांधकर पीटा; पुलिस ने छुड़ाया

जालंधर। कपूरथला रोड पर बाजार में एक्टिवा चोरी के शक में दुकानदारों ने एक युवक को पकड़कर पीटा और लोहे के गेट से बांध दिया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को छुड़ाया और हिरासत में लेकर थाने ले गई। जानकारी के अनुसार, दुकानदारों ने एक युवक को बाजार में संदिग्ध हालत में घूमते देखा। उन्हें शक हुआ कि वह दुकान के बाहर खड़ी एक्टिवा चोरी करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद दुकानदारों ने उसका पीछा कर उसे कुछ दूरी पर पकड़ लिया। आरोप है कि लोगों ने युवक की जमकर पिटाई की और उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। इसके बाद उसे भागने से रोकने के लिए रस्सी से लोहे के गेट से बांध दिया गया।पकड़े गए युवक की पहचान विक्की निवासी सुल्तानपुर इलाके के रूप में हुई है। विक्की ने चोरी के आरोपों को नकारते हुए कहा कि वह बाजार में दवाई लेने आया था और पैदल जा रहा था। उसका दावा है कि दुकानदारों ने गलतफहमी में उसे पकड़कर पीट दिया। सूचना मिलने पर थाना दो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को मुक्त कराया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और एक्टिवा चोरी के आरोपों समेत मारपीट की घटना की जांच की जा रही है।

केसर मलाई पेड़ा

सामग्री : 4 कप स्किम्ड मिल्क, केसर के कुछ धागे, एक चुटकी सिट्रिक एसिड, 2 टी स्पून कॉर्नफ्लोर (2 टेबल स्पून दूध में घुला हुआ), 1/4 टी स्पून हरी इलायची पाउडर, 8 कटे हुए बादाम, 10 चम्मच या स्वादानुसार शुगर फ्री नैचुरा।

विधि : एक गहरे पैन में दूध डालकर एक उबाल दें। फिर आंच धीमी करके आधा होने तक पकाएं। केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। दो टी स्पून पानी में सिट्रिक एसिड मिलाएं और गाढे किए हुए दूध में मिलाएं। घुला हुआ कॉर्नफ्लोर मिलाएं और एकदम गाढा होने तक लगातार चलाएं। इलायची पाउडर और शुगर फ्री नैचुरा डालकर मिलाएं। फिर आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए अलग रखें। मिश्रण को बराबर-बराबर आठ भागों में बांटकर गोल-गोल पेडे बनाएं। ऊपर से बादाम बुरक कर सर्व करें।

पौधों से सजाएं घर आंगन

इनडोर प्लांट्स घर को चार चांद लगा देते हैं। लेकिन, इनका चयन सही होना चाहिए। तभी इंटीरियर आकर्षक लगेगा।

पौधों का चुनाव

- जो भी पौधा आप खरीदें, यह जरूर देखें कि उसकी पत्तियों में छेद तो नहीं है या वे मुरझाई हुई तो नहीं हैं।
- फूलों वाले पौधे खरीदते समय ऐस पौधों का चुनाव करें, जिन पर फूलों के साथ-साथ कलियां भी लगी हों।
- गमले के अनुपात में लगभग मध्यम ऊंचाई तक विकसित स्वस्थ पौधा चुनें। लटकने वाले पौधे गमले के चारों ओर समान रूप से लटकें, तो सुंदर लगेंगे।
- कमरे में पौधों को रखने से पहले उनकी सड़ी-गली और पीली पत्तियों को अवश्य काट लें।
- पौधे तैयार करने के लिए अच्छी क्वालिटी के बीजों का चुनाव करें।

गमले का चुनाव

- आजकल बाजार में तरह-तरह के गमले मिलते हैं, लेकिन केवल मिट्टी के गमले ही पौधों के लिए उपयुक्त रहते हैं, क्योंकि ये गमले न तो बहुत भारी होते हैं और न ही बहुत हल्के। अन्य गमलों के मुकाबले में इनके दाम भी कम होते हैं। इन गमलों में लगे पौधों की जड़ों को हवा मिलने से उनका विकास अच्छा होता है।
- गमले का चुनाव पौधे के अनुसार ही करना चाहिए, जैसे पांच-दस इंच के पौधे के लिए छह इंच का गमला लेना उचित रहेगा।
- गमला खरीदने से पहले यह जरूर देख लें कि उसमें छेद हो। छेद इतना बड़ा होना चाहिए कि छोटी उंगली आसानी से आर-पार हो जाए। वैसे सजावटी पौधों के लिए आप महंगे गमलों का भी चुनाव कर सकते हैं।

स्थान का चयन

- कमरे के खाली कोनों में अधिक या थोड़ी ऊंचाई के पौधों से सजावट करें। एक से अधिक पौधे लगाने पर ध्यान रखें कि सभी पौधों की ऊंचाई अलग-अलग हो।

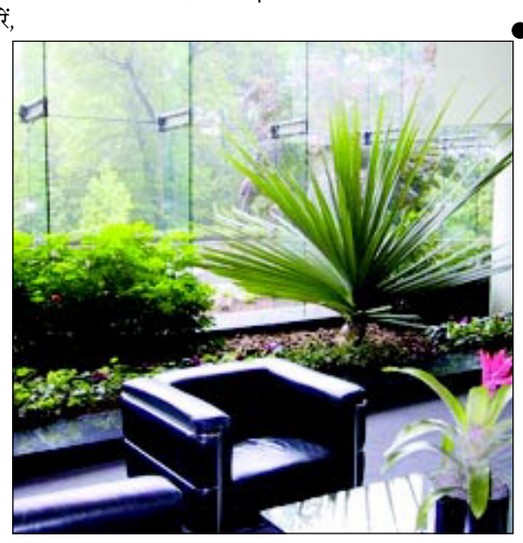

- कोने मे लटकते लैंप के नीचे बैठने की व्यवस्था नहीं की जा सकती, इसलिए इस स्थान को खूबसूरत पौधों से जीवंत बनाएं। लंबे लैम्प के आगे मध्यम ऊंचाई के पौधे स्टूल पर रखें। लैम्प के पास कम ऊंचाई के पौधों से भी सजावट की जा सकती है।
- दो सोफों के मध्य भी पौधा रख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे बैठकर बात करने वालों को अड़चन न आए।
- टेलीफोन की रैक के नीचे या बगल में भी पौधा रखा जा सकता है। ध्यान रखें कि बगल में रखा पौधा टेलीफोन तक पहुंचने में रूकावट न बने।
- सजावटी पौधे टीवी के पास या शयन कक्ष के उपेक्षित कोनों में भी रखे जा सकते हैं। भोजन या कक्ष या स्नानघर में लगे वॉशबेसिन के निकट पौधा रखने से वहां की सुंदरता बढ़ जाती है।
- छोटे गमलों में लगाए गए पौधे रसोइघर की खिड़की या स्लैब पर भी सजाए जा सकते हैं।
- कमरे के आकार को ध्यान में रखकर ही पौधों की संख्या निश्चित करें। कांटेदार पौधों को बच्चों व पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें। विशेष अवसरों पर गमले के चारों ओर सीपी और शंखों को छितराकर उन्हें अधिक आकर्षक बनाएं।
- घर के अंदर रखे जाने वाले पौधों में पानी कम दें, क्योंकि अधिक पानी देने से कमरे में नमी बढ़ेगी, जिससे स्वस्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।
- पौधों को गोबर की खाद देने से पहले खाद के ढेलों को तोड़कर या बारीक करके डालें। संभव हो सके, तो गमलों में खाद छानकर ही डालें।

घरेलू फेस पैक बढ़ाए सौंदर्य

- एक बड़े चम्मच भर दूध में पिसी हल्दी मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और चेहरे पर लगाएं। यह लेप चेहरे का रंग साफ करता है और त्वचा को कांतिपूर्ण रखता है।
- जायफल को दूध में घिसकर चेहरे पर लगाने से कील-मुंहासे और झाईयां दूर होकर चेहरा साफ हो जाता है।
- चावल का आटा दूध में घोलकर चेहरे पर गाढ़ा लेप करें।
- चेहरे पर दो चम्मच बेसन, एक चम्मच दही व चुटकी भर हल्दी का लेप करें।
- गाय के दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें।
- मसूर की दाल दो चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।
- आक के पत्तों को पीसकर दूध और पिसी हल्दी मिलाकर इस लेप को चेहरे के काले दाग-धब्बों, झाईयों, कील-मुंहासों पर लगाएं।
- संतरे के सूखे छिलकों का चूर्ण, थोड़ा सा दही, चुटकी भर हल्दी, नींबू के रस की 5-6 बूंदें मिलाकर लेप करें।
- गुलाब के फूल की पंखुड़ियां दूध के साथ पीसकर लेप करें।
- ये सभी गुणकारी उपाय त्वचा को स्वस्थ, निरोगी, उज्ज्वल और चमकीला बनाते हैं व त्वचा को साफ रंग प्रदान करने वाले हैं।

अच्छे सौंदर्य की मालकिन बनें

- चेहरे की रंगत निखारने के लिए और बालों को छुपाने के लिए 15 दिन के अंतराल पर ब्लीचिंग करवाएं। ब्लीच कराने से बालों का रंग त्वचा के रंग के अनुरूप हो जाएगा।
- अपने हाथों पर सुबह और रात के समय हैंड बाडी लोशन लगाएं। घरेलू कार्य करने के बाद हाथों पर क्रीम अवश्य लगाएं। सप्ताह में एक बार मेनीक्योर कराएं या घर पर स्वयं भी कर सकती हैं।
- चमकदार और मुलायम केशों के लिए केशों को धोने से पूर्व कुनकुने तेल से मालिश जरूर करें। केशों को सौम्य शैम्पू से ही साफ करें। शैंपू के पश्चात् कंडीशनिंग भी अवश्य करें। कंडीशनर के रूप में आप नींबू का रस, चाय की पत्ती, अंडे, हिना का प्रयोग कर सकती हैं।
- ब्लैक हैड्स से सुरक्षा पाने के लिए त्वचा को अच्छी तरह साफ करें ताकि रोमकूपों में जमी गंदगी समाप्त हो जाए।
- ब्लैकहैड्स को साफ करने के लिए सप्ताह में एक बार 5 मिनट तक भाप लें। इससे रोमकूपों में जमे ब्लैकहैड्स बाहर आ जाएंगे और आप ब्लैकहैड्स रिमूवर से इन्हे साफ कर लें।
- त्वचा को मुलाम बनाए रखने के लिए सप्ताह में एक बार स्नान से पहले संपूर्ण शरीर पर बाडी आयल या लोशन से त्वचा की मसाज करें। इससे त्वचा की सौम्यता व प्राकृतिक नमी बनी रहेगी।
- चेहरे पर कोई भी उबटन, क्रीम या मेकअप लगाएं तो उसे गर्दन पर भी जरूर लगाएं अन्यथा चेहरे और गर्दन के रंग में फर्क नजर आएगा।
- नहाते समय लंबे हैंडल वाले ब्रश या तौलिए से पीठ को रगड़ें। इससे पीठ की मृत त्वचा साफ होगी और त्वचा के रोमछिद्र खुलेंगे।

बच्चों के कमरे का ऐसे रखें ध्यान

प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं परंपरा में रोजमर्रा के जीवन की दैनिक, व्यावहारिक एवं अलिखित आचार संहिता के एक भाग को 'विचार' कहा गया है। कहा जाता है कि हर छोटी-बड़ी क्रिया का संबंध हमारी सुख-समृद्धि, शांति, विकास, स्वास्थ्य एवं सामाजिक मर्यादाओं से होता हैं। यहां हम उन विचारों के कुछ प्रमुख बिंदु प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिनको आज विश्व की ज्यादातर संस्कृतियों ने वास्तु, फेंगशुई, शमन-कल्चर, जियोमेंसी या ऐसे ही अन्य नाम से अपने जीवन में काफी महत्व दिया हैं। हालांकि ये सभी विचार आदि काल से ही मानव सभ्यता का अंग रहे हैं, लेकिन कालांतर में जीवन की गति, व्यस्तता, आधुनिकता आदि के कोहरे में धुंधला गए थे, लेकिन आज जब हम अपने जीवन के सभी सुखों के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने लगे हैं, तो इसकी जरूरत और ज्यादा हो गई है।

विचारों की इस श्रृंखला में सबसे पहले बच्चों का कमरा :-

- बच्चों के कमरे में रोजना की जरूरत की कुछ ऐसी चीजें जैसे-कम्प्यूटर, किताबें, स्कूल बैग, पढ़ने की कुर्सी, मेज, अल्मारी आदि होती हैं, जिनके रख-रखाव पर पूरा ध्यान देना चाहिए।
- बच्चे के टेबल पर या ड्रावर में पुराने टूटे-फूटे पेन, खिलौने, दर्पण, कटे-फटे कागज या बेकार सामान, कूड़ा-कबाड़ आदि एकत्र न करे।
- स्कूल बैग व किताबों को थोड़ी ऊंचाई पर इस तरह से रखें कि चलते-फिरते, पढ़ते या उठते-बैठते समय वे पांवों से न टकराएं। इससे विद्या की देवी 'सरस्वती' का अपमान होता है और उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- बच्चे अपने अध्ययन या कोर्स के अंतर्गत यदि कम्प्यूटर का प्रयोग करते है, तो इसे सदैव पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके प्रयोग करना चाहिए।
- यदि बच्चों का पलंग या बिस्तर भी इसी कमरे में हो, तो कम्प्यूटर की स्क्रीन को सोने से पूर्व एक कवर या कपड़े से ढंक देना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3982

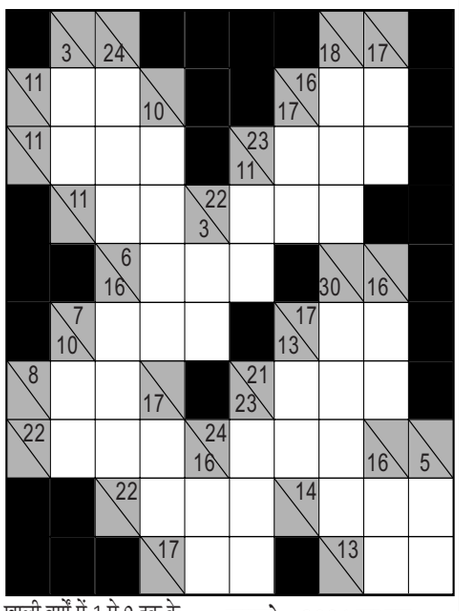

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

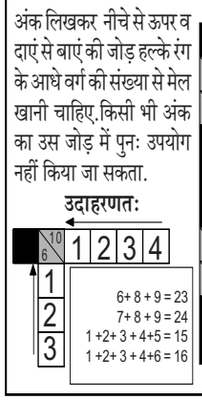

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3981 का हल

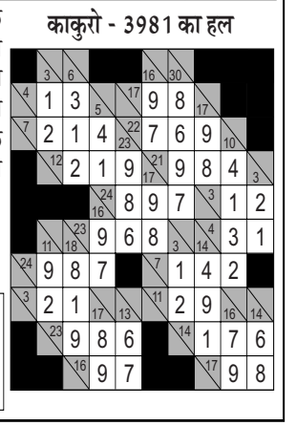

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3982

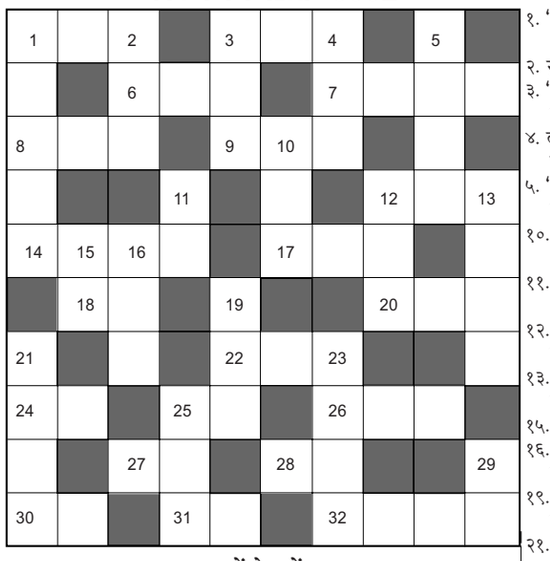

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3981

उ	त्स	व		चि	त्र	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		श	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
य		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु -3982

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3981 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 3982

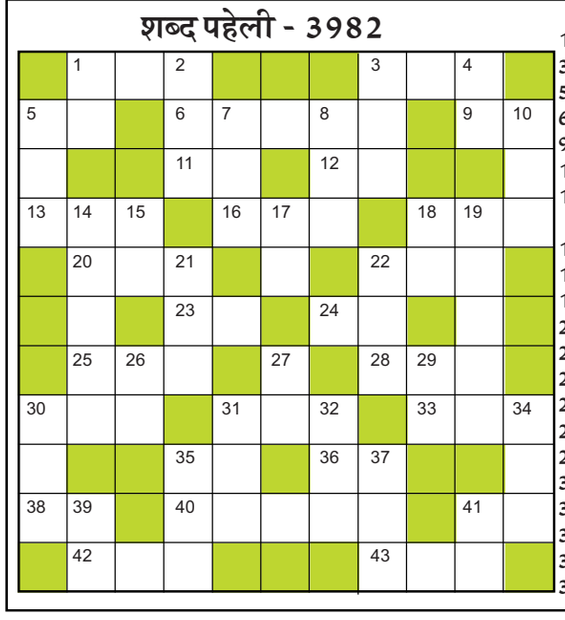

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वर,करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत,दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन,पगार-3
16. मनोनीत,नामकृत-3
18. बंधक,गिरवी वस्तु-3
20. निशा,रात्री-3
22. वचन,प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य,कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार,फटकार-3
30. हवा,पवन-3
31. झाझर,कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर,भूत-2
40. परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान,खजांची-3
4. पैगंबर,रसूल-2
5. झूठ,मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम,मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा,दोस्त-2
18. मजा,आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः,वापस-2
27. मर्करी,पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त,टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा,विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -3981 का हल

का		बु	आ		द		स	ख्त		मु
र	क			कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				ठी				बे	
रि	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
ई		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
सं		गी	त		म		ना	नी		ल

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
बुधवार 19 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

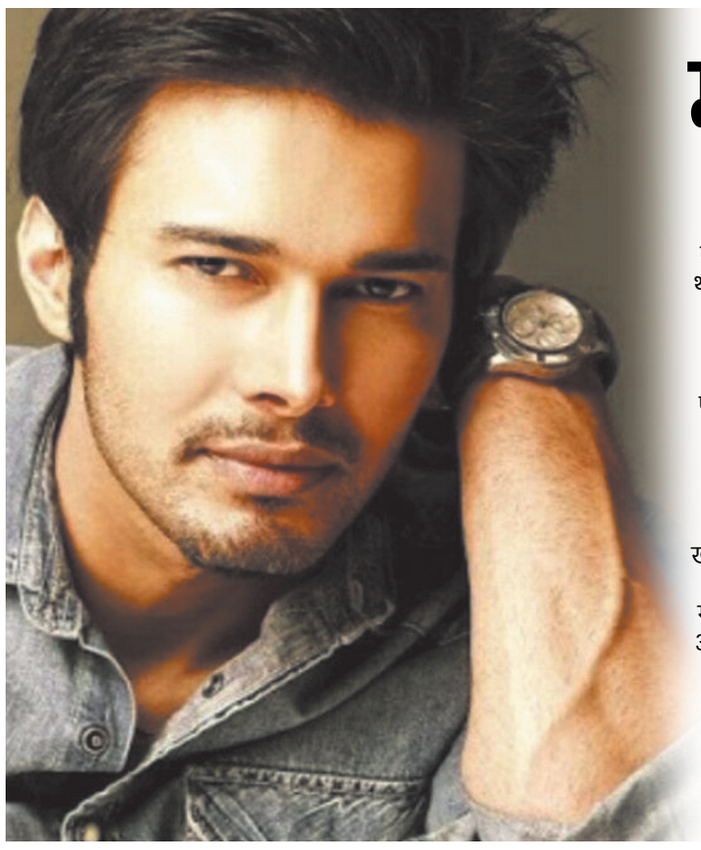

मेरे लिए फैमिली हमेशा काम से एक परसेंट ऊपर ही रही

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुके रजनीश दुग्गल एक सुपर मॉडल भी रहे। बचपन में उन्होंने क्या किसी ने कल्पना नहीं की थी कि वे अभिनय के क्षेत्र में आएंगे। मगर पहले उनकी हाइट-बॉडी उन्हें मॉडलिंग जगत में लाई और फिर उनकी प्रतिभा ने उनके लिए अभिनय के दरवाजे खोले। 1920, डेंजरस इश्क, एक पहेली लीला, वजह तुम हो जैसी कई फिल्मों के अलावा वे टीवी पर खतरों के खिलाड़ी, आरंभ और संजोग में भी नजर आए थे। इन दिनों वे चर्चा में हैं ओटीटी की अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के सीजन 2 से। हाल ही में खास मुलाकात में उन्होंने सीरीज के अलावा कई मुद्दों पर बात की।

मॉडलिंग और फैशन जगत से आए रजनीश की अभिनय यात्रा से तो लोग वाकिफ हैं, मगर बहुत कम लोग जानते हैं कि वे पक्के कृष्ण भक्त हैं। बकौल रजनीश, 'मैं दिल्ली से हूं। हमारे घर में हमेशा से शिवजी, माता रानी, श्रीराम और भगवान कृष्ण सहित सभी देवी-देवताओं की पूजा होती रही है। जब मैं करीब दस साल का था, तब मेरे पिता का वृंदावन आना-जाना शुरू हुआ। छोटी-सी कार में परिवार के साथ होने वाली ड्राइव्स धीरे-धीरे दिल्ली से वृंदावन तक पहुंच गईं। फिर जैसे बांके बिहारी जी और राधा रमण जी का ऐसा बुलावा आया कि पूरा परिवार कृष्ण भक्ति में रंग गया। हम रातों-रात शाकाहारी बन गए। आज हमारे घर में लहसुन-प्याज तक नहीं बनता, क्योंकि हर भोजन पहले ठाकुर जी को अर्पित किया जाता है। हालांकि मैं खाने-पीने की पसंद को पूरी तरह व्यक्तिगत मानता हूं और किसी को जज नहीं करता। मेरे माता-पिता तो वर्षों पहले वृंदावन में ही बस गए।'

किरदार निभाने से कृष्ण समझ आए

उन्होंने आगे कहा, 'हम चाहते थे कि वे हमारे साथ रहें, लेकिन उनका मन वहीं रम गया। अब हमारा पूरा परिवार कृष्ण भक्ति से जुड़ चुका है। मुझे लगता है कि श्रीकृष्ण से बड़ा 'एक्टर' कोई नहीं हो सकता। वे छलिया भी हैं, रसिया भी, नायक भी हैं और जीवन के हर रंग को जीने वाले भी। गीता का सार यही है कि जीवन के लगभग हर प्रश्न का उत्तर उसमें कहीं न कहीं मिल जाता है। 2019 में मैंने 'श्रीमद् भागवत महापुराण' में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाई थी। उस किरदार को जीते हुए मैं प्रेम, क्रोध और जीवन के कई अनुत्तरित प्रश्नों को नए नजरिए से समझ पाया। मुझे लगा कि श्रीकृष्ण केवल एक पात्र नहीं, बल्कि जीवन को समझने का एक मार्ग हैं।

अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखता हूं

रजनीश दुग्गल की शादी को 21 साल हो गए हैं, मगर बीते सालों में उन्होंने अपनी पत्नी पल्लवी के साथ अपनी शादी को मजबूत बनाया है। शादी और काम के बीच के संतुलन के बारे में वे कहते हैं, 'हर किसी के लिए उसका काम और परिवार जरूरी होता है, मगर मेरे लिए मेरा परिवार प्राथमिकता है। मेरी फैमिली हमेशा काम से एक परसेंट ऊपर ही रही। यही वजह है कि मैंने कई ऐसी फिल्मों से किनारा किया, जहां मुझे लगा कि मेरा और मेरी पत्नी पल्लवी का रिश्ता खराब हो सकता था, क्योंकि मेरे लिए पल्लवी बहुत मायने रखती है। मुझे याद है मेरा पहला किसिंग सीन भी मैंने पल्लवी से डिस्कस करने के बाद ही किया था। मगर फिर मेरे पास उसी तरह के रोल्स आने लगे, तो मैंने मना करने शुरू किए।

वह रजनीश दुग्गल के मॉडलिंग करियर का सुनहरा दौर था। सुपरमॉडल के तौर पर उनकी जबरदस्त पहचान बन चुकी थी, तभी उन्होंने शादी का फैसला किया। इतने ग्लैमरस माहौल में रिश्ते को कैसे संभाला? इस सवाल पर रजनीश हंसते हुए एक दिलचस्प किस्सा सुनाते हैं। वे कहते हैं, 'मैं सिर्फ 24 साल का था, जब हमारी शादी हुई। हालांकि उससे पहले मैं और पल्लवी काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। एक बार बड़े फैशन वीक के बाद एक हाई-प्रोफाइल पार्टी थी, जहां तमाम नामी मॉडल्स और डिजाइनर्स मौजूद थे। बारिश की वजह से लॉन में पानी भर गया था। मेरे आसपास कई फीमेल मॉडल्स थीं और मुझे महसूस हो रहा था कि कुछ मेरा ध्यान खींचने की कोशिश कर रही हैं। तभी मैंने बिना कुछ सोचे पल्लवी को गोद में उठाया और पानी पार कराते हुए अंदर ले गया।

शादी के खिलाफ नहीं हूं लेकिन मैं सिंगल रहकर बहुत-बहुत खुश हूं

बॉलीवुड में शादी और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर कलाकारों पर सवाल उठते रहते हैं। लेकिन आज के दौर में सिनेमा जगत के कई बड़े सितारे बिना किसी झिझक के अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रहे हैं। सलमान खान, तबू और सुष्मिता सेन जैसी हस्तियों के बाद अब 'गदर' फेम अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी अपने सिंगल स्टेटस पर ऐसी बात कही है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।

51 साल की उम्र में भी अपने निडर अंदाज और ग्रेस के लिए जानी जाने वाली अमीषा पटेल ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत के दौरान अपनी शादी को लेकर एक तीखा और बेबाक बयान दिया है। हाल ही में अमीषा पटेल ने फैंस के लिए एक सेशन आयोजित किया था। इस दौरान उनके चाहने वालों ने करियर से लेकर पर्सनल लाइफ तक कई सवाल पूछे। इसी बीच एक यूजर ने अमीषा से सीधा सवाल किया— 'आप शादी कब कर रही हैं?' इस सवाल का जवाब देते हुए अमीषा ने बिना किसी हिचकिचाहट के लिखा, 'कभी नहीं, मैं सिंगल रहकर बहुत-बहुत खुश हूं। मेरे पास 100 करीबी रिश्तेदार और दोस्त हैं जो मुझे प्यार करते हैं। मैं किसी एक आदमी के आने और इस सब को बदलने का जोखिम नहीं उठा सकती।'

अमीषा पटेल के इस जवाब ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। कई फैंस ने उनके इस नजरिए का समर्थन किया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'शादी कई बार आपके सपनों को पूरा करने की राह में समझौता बन जाती है, सिंगल रहना ज्यादा आजादी देता है।' वहीं कई अन्य फैंस ने भी उनके इस फैसले को सही ठहराया। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अमीषा ने कभी प्यार या शादी के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए हों। कुछ समय पहले एक पॉडकास्ट के दौरान अमीषा ने अपनी पुरानी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने खुलासा किया था कि वह पहले एक गंभीर रिश्ते में थीं, लेकिन जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने का फैसला किया, तो उनके पार्टनर ने उनका साथ नहीं दिया। अमीषा के मुताबिक, वे शादी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उनकी कुछ स्पष्ट शर्तें हैं। वह ऐसे हमसफर की तलाश में हैं जो उनके काम और आत्मनिर्भरता का सम्मान करे। अमीषा का मानना है कि उम्र से ज्यादा इंसान का बौद्धिक स्तर मायने रखता है।

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं।' एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।'

सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, 'करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।'

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है। इसलिए हम डेट नाइट प्लान करते हैं। कभी-कभी हम मॉस्को में सेलिब्रेट करते हैं, कभी मालदीव में, तो कभी मलेशिया में। हमने कड़ी मेहनत की है और पैसे कमाए हैं, इसलिए हम ऐसा कर सकते हैं।'

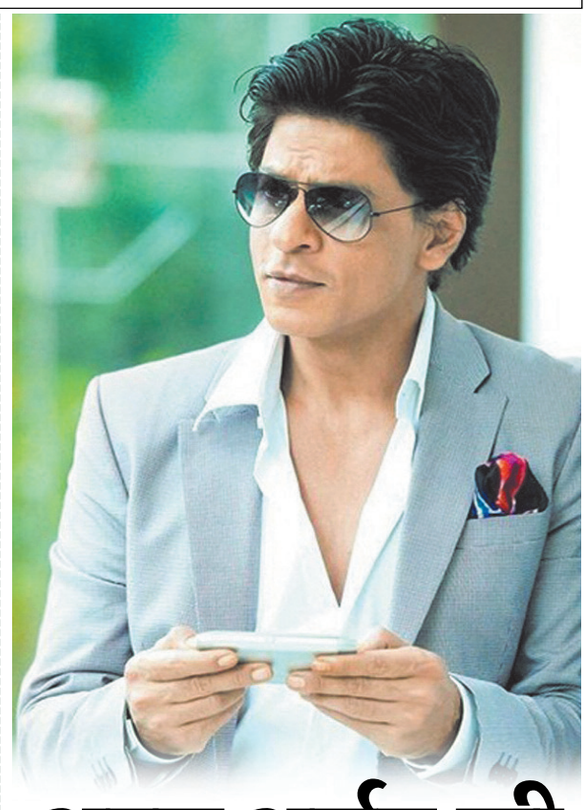

अल्लू अर्जुन की 'राका' का हिस्सा नहीं होंगे शाहरुख

हाल ही में सोशल मीडिया पर यह खबरें आईं कि अपकमिंग फिल्म 'राका' में शाहरुख खान कैमियो करेंगे। हालांकि, एक नई रिपोर्ट ने इन दावों को खारिज कर दिया है और कहा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार इस प्रोजेक्ट से नहीं जुड़े हैं। अफवाहें थीं कि शाहरुख 'राका' में एक खास रोल में दिखेंगे। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक ये खबरें गलत हैं। शाहरुख खान 'राका' का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म में उनका कोई कैमियो नहीं है। भले ही एटली के साथ शाहरुख के रिश्ते उनकी फिल्म 'जवान' की बड़ी सफलता के बाद से मजबूत हुए हैं, लेकिन एक्टर को यह प्रोजेक्ट कभी ऑफर ही नहीं किया गया।

अल्लू के साथ नहीं दिखेंगे शाहरुख

शाहरुख और अल्लू अर्जुन के फैंस इन दोनों एक्टर्स को स्क्रीन पर एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, ऐसा लगता है कि अब ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। पहले खबर आई थी कि टीम विदेश में शूटिंग के दौरान शाहरुख के खास रोल को शूट करने के बारे में सोच रही थी। मगर अब पता चल रहा है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एटली के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बहुत बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। यह एक साइंस-फिक्शन एंटरटेनर फिल्म है। उम्मीद है कि फिल्म में अल्लू अर्जुन कई रोल में दिखेंगे, जबकि दीपिका पादुकोण फीमेल लीड रोल में होंगी। खबरों से यह भी पता चलता है कि मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर, रश्मिका मंदाना, राम्या कृष्णन, योगी बाबू और जिम सरभ को अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है।

दीपिका के शूट पर फोकस

बताया जाता है कि एटली दीपिका के हिस्से की शूटिंग पूरी करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि वह अगले महीने मैटरनिटी ब्रेक पर जा रही हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग साल के आखिर तक पूरी हो जाएगी।

हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपनी राय रखी

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'महारानी' फेम एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। जानिए एक्ट्रेस कब करने वाली हैं शादी।

इंटरव्यू में हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शादी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'आप और मेरी मम्मी दोनों एक ही सवाल पूछते हैं। मेरे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि शादी कब होगी। शादी जब होनी होगी तब हो जाएगी। फिलहाल मेरे पास बहुत काम है। ये साल मेरे लिए काफी व्यस्त है और अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।'

कियारा का किया था समर्थन

बता दें कि हुमा अपने बेबाक जवाबों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म 'टॉक्सिक' में इंटिमेट सीन करने के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा को लेकर भी हुमा ने अपनी बात रखी थी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

आरडी बर्मन की बायोपिक नहीं कर रहे हैं इमरान हाशमी

आरडी बर्मन की बायोपिक को लेकर दर्शकों में उत्साह है। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर खूब अटकलें लग रही हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि अभिनेता इमरान हाशमी फिल्म से जुड़ गए हैं। वे पंचम दा के करीबी दोस्त और मशहूर एक्टर-सिंगर व कॉमेडियन महमूद की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मगर, इन खबरों का इमरान हाशमी ने खंडन कर दिया है। इमरान हाशमी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बायोपिक में काम नहीं कर रहे हैं। आरडी बर्मन की बायोपिक में महमूद की भूमिका निभाने संबंधी खबरों को लेकर इमरान हाशमी ने लिखा है कि 'मैं साफ कर दूं कि एक बायोपिक में मेरे महमूद साहब की भूमिका निभाने की खबरें सच नहीं हैं'। 'न तो मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है और न ही मैं यह फिल्म कर रहा हूं'।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।